दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

एक विश्वास....

राहु केतु का ट्रेलर रिलीज, ...8

बलरामपुर
गुरुवार, 08 जनवरी 2026
वर्ष: 05 अंक : 96 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/-रुपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित ।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

सुकमा में नक्सलवाद को बड़ा झटका, 65 लाख के इनामी 13 समेत 26 नक्सलियों ने किया सरेंडर

सुकमा। दक्षिण छत्तीसगढ़ में नक्सल विरोधी अभियानों को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बुधवार को सुकमा जिले में 26 नक्सलियों ने सुरक्षा बलों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया, जिनमें से 13 पर कुल 65 लाख रुपये का इनाम था। यह आत्मसमर्पण राज्य सरकार की ष्पूना मार्गेमष पहल के तहत हुआ, जिसका उद्देश्य सशस्त्र कार्यकर्ताओं को उग्रवाद से दूर करके सामाजिक पुनर्एकीकरण की ओर मार्गदर्शन करना है। सुकमा के पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण ने बताया कि इस समूह में सात महिलाएं शामिल थीं, जिन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस के अनुसार, आत्मसमर्पण करने वाले कैडर प्रतिबंधित नक्सली संगठन की विभिन्न इकाइयों से जुड़े थे, जिनमें पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (पीएलजीए) बटालियन, दक्षिण बस्तर डिवीजन, माद डिवीजन और आंध्र ओडिशा बॉर्डर (एओबी) डिवीजन शामिल हैं। चव्हाण ने बताया वे छत्तीसगढ़ के अबूझमाद और सुकमा क्षेत्रों के साथ–साथ ओडिशा के सीमावर्ती इलाकों में हिंसा की कई घटनाओं में शामिल थे।" उन्होंने आगे कहा कि लंबे समय तक कठिनाइयों का सामना करने और संगठन के भीतर आंतरिक असंतोष ने भी उनके आत्मसमर्पण के निर्णय में योगदान दिया।

सरेंडर मोदी... राहुल ने अमेरिकी राष्ट्रपति के बयान को लेकर पीएम को घेरा

प्रधानमंत्री की लीडरशिप पर उठाए गंभीर सवाल

नई दिल्ली। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला और उन पर ष्दबावष में ष्सरेंडरष करने का आरोप लगाया। गांधी की यह टिप्पणी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान के एक दिन बाद आई है, जिसमें उन्होंने हाउस ळव्च मेंबर रिट्रीट में बोलते हुए दावा किया था कि पीएम मोदी ने उनसे मिलने का समय मांगा था। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा हाल के दिनों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर की गई टिप्पणियों की पृष्ठभूमि में बुधवार को कटाक्ष करते हुए कहा कि ''फर्क समझो, सर जी।'' लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने पिछले साल जून में कांग्रेस के 'संगठन सृजन अभियान' से संबंधित एक कार्यक्रम में दिए गए अपने भाषण का एक अंश साझा किया, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि प्रधानमंत्री मोदी, ट्रंप के एक फोन से उनके सामने झुक गए तथा ''नरेन्दर, सरेंडर'' कर गए। उस भाषण में राहुल गांधी ने यह भी कहा था कि कांग्रेस तथा उसके नेताओं ने महाशक्तियों के सामने कभी 'सरेंडर' नहीं किया, लेकिन थोड़े से दबाव के आगे झुक जाना ही भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मूल स्वभाव है। कांग्रेस नेता ने बुधवार को अपने इस भाषण से संबंधित वीडियो 'एक्स' पर साझा करते हुए पोस्ट किया, ''फर्क समझो, सर जी।'' दरअसल, ट्रंप ने भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत के टैरिफ (शुल्क) को लेकर हाल के दिनों में कई ऐसी टिप्पणियां की हैं जो सरकार को असहज करने वाली हैं। सरकार की तरफ से फिलहाल इन टिप्पणियों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने भी ट्रंप की टिप्पणियों को लेकर प्रधानमंत्री मोदी पर कटाक्ष किया। उन्होंने ट्रंप के वक्तव्य का वीडियो साझा करते हुए 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''नमस्ते ट्रंप से लेकर हाउडी मोदी तक, 'डोनाल्ड भाई' और अब यह (सर)। आगे क्या?'' अमेरिकी राष्ट्रपति ने मंगलवार को कहा कि रूसी तेल खरीदने पर अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए शुल्क (टैरिफ) के कारण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उनसे 'ज्यादा खुश नहीं हैं।' ट्रंप ने 'हाउस जीओपी सदस्य रिट्रीट' में अपने संबोधन में यह भी दावा किया, ''प्रधानमंत्री मोदी मुझसे मिलने आए और बोले, ''श्रीमान्, क्या मैं आपसे मिल सकता हूं?' मैने कहा, ''जी हां।

सीएम योगी ने निर्माणाधीन गोरखपुर-पिपराइच फोरलेन मार्ग का किया निरीक्षण

तय समय सीमा में काम पूरा करने के दिए निर्देश

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर–पिपराइच

फोरलेन मार्ग का स्थलीय निरीक्षण कर अधिकारियों को निर्देशित किया कि गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते है निर्माण कार्य में तेजी लाएं ताकि तय समयसीमा में यह मार्ग जनता को समर्पित कर दिया जाए। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने खजांची चौराहा फ्लाईओवर, जंगल कौड़िया –जगदीशपुर रिंग रोड के निर्माण की प्रगति की भी जानकारी ली और जरूरी दिशा निर्देश दिए। बुधवार को कई विकास कार्यों का जायजा लेने के क्रम में सीएम योगी बुधवार अपराह्न गोरखपुर–पिपराइच फोरलेन मार्ग के विकास भारती स्कूल मोड़ के आगे पहुंचे। यहां उन्होंने सड़क परियोजना के ले आउट, ड्राइंग मैप का अवलोकन करने के साथ कार्य प्रगति की जानकारी ली। 19.485 किमी लंबाई वाले गोरखपुर–पिपराइच फोरलेन मार्ग का निर्माण 942.44 करोड़ रुपये की लागत से कराया जा रहा है।

जल्द पूरा करें खजांची बाजार फ्लाईओवर का निर्माण

निरीक्षण की श्रृंखला में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खजांची चौराहे पर 96.50 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे फ्लाईओवर का भी जायजा लिया। फ्लाईओवर के पास रुककर उन्होंने निर्माण की अबतक की प्रगति जानी और ड्राइंग मैप को भी देखा। इस फ्लाई ओवर का निर्माण 99 प्रतिशत से अधिक पूर्ण हो गया है। कार्यदायी संस्था की तरफ से बताया गया कि करीब तीन दिन का ही काम शेष है। इस पर सीएम योगी ने जल्द से जल्द फ्लाईओवर का निर्माण शत प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश दिए।

पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर को कोर्ट से नहीं मिली राहत, 21 जनवरी तक बढ़ी कस्टडी

देवरिया। औद्योगिक प्लाट आवंटन के मामले में 10 दिसंबर से जेल में निरुद्ध अमिताभ ठाकुर को बुधवार को भी अदालत से कोई राहत नहीं मिली। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मंजू कुमारी की अदालत ने आरोपित पूर्व आईपीएस के तरफ से प्रस्तुत की गई दलील सिरे से खारिज करते हुए न्यायिक रिमांड की धाराओं में 21 जनवरी तक जिला कारागार में निरुद्ध रखने का आदेश दिया। इसके पूर्व मंगलवार को उनका जमानत प्रार्थना पत्र भी खारिज हो गया था। अब उन्हें जनपद न्यायाधीश के यहां नियमित जमानत प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करना होगा। वर्ष 1999 में पुलिस अधीक्षक के पद पर रहते हुए अमिताभ ठाकुर ने धोखाधड़ी व आपराधिक खड्यंत्र करके अपनी पत्नी के नाम औद्योगिक प्लाट आवंटित करा लिया था ।जिसके विरुद्ध 25 जुलाई 2025 को ताल कटोरा लखनऊ के रहने वाले संजय शर्मा ने सदर कोतवाली में मुकदमा अंतर्गत धारा 419 420 467 468 471 120 बी आईपीसी दर्ज कराया। मामले की गंभीरता को देखते हुए शासन ने विवेचना एसआईटी को अंतरित कर दी। एसआइटी के विवेचक सोबरन सिंह ने 10 दिसंबर 2025 को आरोपित अमिताभ ठाकुर को गिरफ्तार करके मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया। सुनवाई के उपरांत सीजेएम ने न्यायिक अभिरक्षा में लेकर जिला कारागार देवरिया भेज दिया गया। आरोपित के अधिवक्ता ने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में रिमांड के विरुद्ध प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करते हुए यह मांग की की जिन दफाओं में विवेचक ने आरोपित को गिरफ्तार किया है उसका कोई ठोस साक्ष्य विवेचक के पास मौजूद नहीं है। ऐसी स्थिति में आवेदक के विरुद्ध कोई अपराध नहीं बनता है, इसलिए रिमांड निरस्त करते हुए आरोपित को रिहा किया जाए। मंगलवार को अभियोजन व बचाव पक्ष की तरफ से तीन घंटे चली बहस के बाद सीजेएम ने आदेश सुरक्षित कर लिया था। अदालत ने पाया कि आरोपित को जिस साक्ष्य के आधार पर पूर्व में रिमांड दिया गया था वह साक्ष्य अभी भी केस डायरी में मौजूद है। ऐसे में बचाव पक्ष की का प्रार्थना पत्र निरस्त करते हुए उन्हें 21 जनवरी तक न्यायिक अभिरक्षा में रखने का आदेश दिया जाता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नेतन्याहू से की बातचीत

दोनों ने और अधिक दृढ़ता के साथ आतंक से लड़ने का संकल्प लिया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनके इजराइली समकक्ष बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को अपनी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने आतंकवाद से और अधिक दृढ़ता के साथ लड़ने के अपने साझा संकल्प की पुष्टि की। उन्होंने कहा, ''अपने मित्र प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बात करके और उन्हें तथा इजराइल के लोगों को नववर्ष की शुभकामनाएं देकर मुझे खुशी हुई।'' उन्होंने कहा, ''हमने आने वाले वर्ष में भारत–इजराइल रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की।''

अपहरण' के बाद छह साल की बच्ची की हत्या

बेंगलुरु के पूर्वी हिस्से में स्थित व्हाइटफील्ड इलाके के पास छह साल की बच्ची का अपहरण कर उसकी हत्या का मामला सामने आया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक पीड़िता पश्चिम बंगाल के एक प्रवासी मजदूर की बेटी थी। पुलिस ने बताया कि पीड़िता के पिता ने बेटी के पांच जनवरी की दोपहर से लापता होने के संबंध में शिकायत दर्ज कराई और उसने नजदीक ही रह रहे पश्चिम बंगाल के एक मजदूर की संलिप्तता का संदेह जताया। पीड़िता के पिता ने बताया कि उसे उक्त व्यक्ति पर संदेह है क्योंकि जहां पर बच्ची खेल रही थी वहां पर उसे देखा गया था। पुलिस को मिली शिकायत के मुताबिक बेटी के लापता होने पर परिवार ने उसकी तलाश शुरू की और बाद में पुलिस को इसकी सूचना दी। बच्ची का शव बाद में पट्टंदूर अग्रहारा के पास एक सूखे नाले में मिला।

दिल्ली के तुर्कमान गेट पर एमसीडी का बड़ा Bulldozer Action, अतिक्रमण हटाने पर बवाल और पत्थरबाजी

नई दिल्ली। बुधवार तड़के पुरानी दिल्ली में उस समय एक गंभीर स्थिति उत्पन्न हो गई जब दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के अधिकारियों ने तुर्कमान गेट स्थित एक सदी पुरानी मस्जिद के पास अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया। विध्वंस का काम, जो सुबह 8 बजे शुरू होना था, लगभग 1:30 बजे शुरू हुआ, जिससे स्थानीय निवासियों ने विरोध प्रदर्शन किया। अधिकारियों ने बताया कि कुछ उपद्रवियों ने पत्थरबाजी करके अशांति फैलाने की कोशिश की, जिससे संयमित और न्यूनतम बल का प्रयोग करते हुए तुरंत निपटा गया। शहर के विशेष पुलिस क्षेत्र (सीएसपीजेड) के उपायुक्त विवेक अग्रवाल ने हालिया विध्वंस अभियान के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि यह मामला लंबे समय से उच्च न्यायालय में लंबित था और न्यायालय के आदेश के बाद ही कार्रवाई की गई। बुधवार को एएनआई से बात करते हुए उन्होंने कहा कि यह लगभग 36,400 वर्ग फुट का क्षेत्र था। इसके चारों ओर दो मंजिला दीवार थी और उसके ऊपर एक मंजिला इमारत बनी हुई थी... मस्जिद की जमीन सुरक्षित है।

पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया था। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी पूरी रात घटनास्थल पर मौजूद रहे। हमारी टीम को पूरी सुरक्षा दी गई थी। रात में पत्थरबाजी की घटना हुई, लेकिन पुलिस पूरी तरह से तैयार थी। हमने 32 जेसीबी, चार एक्सकेवेटर, न्यूमेटिक हैमर और कई ट्रकों का इस्तेमाल किया। हमारी टीम का कोई भी सदस्य घायल नहीं हुआ। इससे पहले, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी में तोड़फोड़ अभियान और पत्थरबाजी की घटनाओं पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह कार्रवाई कानून के अनुसार ही की गई थी। दिल्ली पुलिस ने बुधवार को तुर्कमान गेट पर हुई पत्थरबाजी की घटना के संबंध में अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की, जहां इलाके में एक आधिकारिक कार्रवाई के दौरान पुलिस दल पर हमला हुआ था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पहचान प्रक्रिया पूरी होने और पर्याप्त सबूत जुटाए जाने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस बीच, स्थानीय लोगों की प्रतिक्रियाओं में भी तनाव झलक रहा था। एक स्थानीय व्यक्ति ने एएनआई को बताया, ष्बारातघर बाद में बनाया गयाय पहले यहां कब्रिस्तान हुआ करता था... दरगाह के लोगों ने कब्रिस्तान हटाकर बारातघर बनाया। पहले यहां कब्रिस्तान हुआ करता था... बारातघर यहां नहीं बनना चाहिए था।

करंट लगने से दो बहनों की मौत

रामपुर इलाके में बुधवार को पानी गर्म करते समय रॉड से बिजली का झटका लगने से दो बहनों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान कोतवाली थाना अंतर्गत रामपुर इलाके की निधि (21) और उसकी छोटी बहन लक्ष्मी (16) के रूप में हुई है। कोतवाली थाने के प्रभारी बबलू कुमार वर्मा ने बताया कि यह घटना तब हुई जब निधि पानी गर्म करने के लिए बिजली की रॉड के संपर्क में आ गई। जब लक्ष्मी ने उसे बचाने की कोशिश की, तो उसे भी बिजली का झटका लगा। थाना प्रभारी ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। उन्होंने बताया कि परिवार के अनुरोध पर शवों को पोस्टमार्टम के लिए नहीं भेजा गया। उत्तर प्रदेश के मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने शोक संतप्त परिवार से मिलकर संवेदना व्यक्त की।

कांग्रेस हो या AIMIM, गठबंधन मंजूर नहीं

मुख्यमंत्री फडणवीस ने अपने ही नेताओं को दे दी चेतावनी

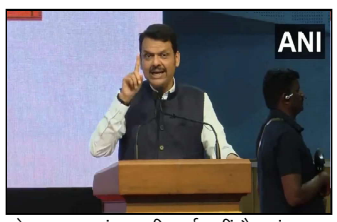

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार (7 जनवरी) को कांग्रेस के साथ किसी भी तरह के गठबंधन से साफ इनकार करते हुए इसे अस्वीकार्य बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि अंबरनाथ में स्थानीय स्तर पर लिए गए फैसले को सुधारा जाएगा। यह स्पष्टीकरण अंबरनाथ नगर परिषद में हुए एक चौंकाने वाले राजनीतिक घटनाक्रम के बाद आया है, जहां भाजपा और कांग्रेस ने कथित तौर पर एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना को सत्ता में आने से रोकने के लिए हाथ मिला लिया था। इस कदम से राज्य में राजनीतिक तनाव काफी बढ़ गया है। गठबंधन स्वीकार्य नहीं: फडणवीस ने कहा कांग्रेस

के साथ गठबंधन स्वीकार्य नहीं है। अंबरनाथ में स्थानीय स्तर पर लिया गया निर्णय बदला जाएगाय कांग्रेस के साथ कोई गठबंधन नहीं होगा। ठाणे जिले में मुंबई से लगभग 70 किलोमीटर दूर स्थित अंबरनाथ में भाजपा के ष्कांग्रेस–मुक्त भारतष के लंबे समय से चले आ रहे अभियान के बावजूद अप्रत्याशित गठबंधन देखने को मिला। इस गठबंधन का उद्देश्य शिवसेना के शिंदे गुट को सत्ता से बाहर रखना था। भाजपा–कांग्रेस के इस गठबंधन ने राजनीतिक हलकों में तीखी प्रतिक्रियाएं पैदा कर दी हैं और महाराष्ट्र के राजनीतिक परिदृश्य में काफी बहस छेड़ दी है, जिससे स्थानीय स्तर की चुनावी राजनीति की जटिलताएं उजागर होती हैं। कांग्रेस–भाजपा गठबंधन अंबरनाथ विकास अघाड़ी : इस गठबंधन को ष्अंबरनाथ विकास अघाड़ीष नाम दिया गया है। हालांकि, इन घटनाक्रमों से शिवसेना के शिंदे गुट में काफी असंतोष फैल गया है।

गुरु तेग बहादुर के अपमान पर बवाल

बीजेपी ने की अतिशी की सदस्यता रद्द करने की मांग

नई दिल्ली। प्रवेश वर्मा और मंजिंदर सिंह सिरसा समेत दिल्ली के कई मंत्रियों ने विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता को ज्ञापन सौंपकर गुरु तेग बहादुर के कथित अपमान के मामले में विपक्ष की नेता आतिशी की सदस्यता रद्द करने की मांग की। मीडिया से बात करते हुए प्रवेश वर्मा ने कहा, "हमने विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर आतिशी के कृत्य का संज्ञान लेते हुए उनकी सदस्यता रद्द करने की मांग की है... न केवल यह सदन बल्कि देश का हर नागरिक इससे आहत है। हमारे गुरुओं ने देश की अखंडता को मजबूत करने के लिए अपने प्राणों सहित पूरे परिवार के साथ बलिदान दिए, लेकिन विपक्ष की नेता, आम आदमी पार्टी की नेता ने उनका मजाक उड़ाया... हमें उम्मीद है कि आतिशी की सदस्यता रद्द की जाएगी।

आतिशी की टिप्पणी से विधानसभा में हंगामा मच गया : दिल्ली विधानसभा में भाजपा विधायक द्वारा आतिशी की टिप्पणी पर तीखे विरोध प्रदर्शन को हवा देने के बाद भारी हंगामा हुआ। विधायकों ने मांग की कि विपक्ष की विधायक सत्र में उपस्थित हों और उनके खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाया जाए। कपिल मिश्रा ने कहा कि अध्यक्ष ने आतिशी के शब्दों को पढ़ा... उन्होंने बेहद अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया। उन्होंने ऐसी अभद्र भाषा का प्रयोग तब किया जब विधानसभा गुरु तेग बहादुर जी के सम्मान पर चर्चा कर रही थी। मैं उनके शब्दों को दोहरा भी नहीं सकता। उन्हें विधानसभा में आना ही होगा, सिर्फ माफी मांगने से काम नहीं चलेगा। भाजपा विधायक हरीश खुराना ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर की शहादत की 350वीं वर्षगांठ पर चर्चा चल रही थी। दिल्ली विधानसभा की विपक्ष नेता आतिशी ने अनुचित टिप्पणी की... हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं...

लिटिल फ्लावर्स स्कूल के प्रबंधक सुरेंद्र प्रताप सिंह एवं प्रधानाचार्य अपर्णा सिंह ने दी नववर्ष की शुभकामनाएं

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। लिटिल फ्लावर्स स्कूल के निदेशक सुरेंद्र प्रताप सिंह एवं प्रधानाचार्य अपर्णा सिंह ने नववर्ष के शुभ अवसर पर विद्यालय के अभिभावकों, विद्यार्थियों एवं क्षेत्रवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपने संयुक्त संदेश में कहा कि नववर्ष सभी के जीवन में नई ऊर्जा, नई आशा और नई उपलब्धियां लेकर आए। यह नया साल विद्यार्थियों के लिए सीखने, आगे बढ़ने और अपने सपनों को साकार करने का अवसर बने, ऐसी उनकी कामना है। निदेशक सुरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य बच्चों के चरित्र निर्माण, नैतिक मूल्यों के विकास और उनमें आत्मविश्वास पैदा करना भी है। उन्होंने बताया कि लिटिल फ्लावर्स कॉन्वेंट स्कूल प्रारंभ से ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासन और सर्वांगीण विकास को

प्राथमिकता देता रहा है। विद्यालय का लक्ष्य है कि छात्र छात्राएं न केवल शैक्षणिक रूप से उत्कृष्ट बनें, बल्कि सामाजिक और नैतिक रूप से भी सशक्त नागरिक बनकर देश और समाज का नाम रोशन करें। उन्होंने अभिभावकों के सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में स्कूल और परिवार की भूमिका समान रूप से महत्वपूर्ण है। जब शिक्षक और अभिभावक मिलकर बच्चों का मार्गदर्शन करते हैं, तभी बेहतर परिणाम सामने आते हैं। उन्होंने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे बच्चों को सकारात्मक वातावरण प्रदान करें और उनके भीतर छिपी प्रतिभाओं को निखारने में सहयोग करें। विद्यालय की प्रधानाचार्य अपर्णा सिंह ने विद्यार्थियों को नववर्ष का संदेश देते हुए कहा कि निरंतर परिश्रम, अनुशासन और सकारात्मक सोच से ही जीवन में सफलता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने छात्रों को समय का सदुपयोग करने, लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ने और कठिन परिस्थितियों में भी आत्मविश्वास बनाए रखने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि नव वर्ष आत्ममंथन और आत्मविकास का समय है, जिसमें विद्यार्थी अपनी कमजोरियों को पहचानकर उन्हें दूर करने का संकल्प लें। अंत में विद्यालय परिवार की ओर से सभी को सुख, शांति, स्वास्थ्य और सफलता से भरे नववर्ष की शुभकामनाएं दी।

मधवानगर गांव में चोरों का दस्तक, दो घरों को बनाया अपना निशाना

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। थानाक्षेत्र ढेबरुआ के पुलिस चौकी बढ़नी अन्तर्गत ग्राम सभा मधवानगर गांव में मंगलवार की बीती रात चोरों ने दो घरों को अपना निशाना बनाया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक बताया जाता है कि ठण्डक बढ़ते ही चोरों ने भी अपनी दस्तक बढ़ा दिया है। मधवानगर गांव में एक ही रात दो घरों में घुसकर चोरों ने पूरे घर को खंगालते हुए पुलिस को चुनौती दे दी है। पहली घटना में मधवानगर निवासी मुराली गौड़ के घर परिवार के सभी लोग बरामदे में सोये हुए थे। चोर पिछले दरवाजे से घर में घुसकर एक कमरे में रखे बैग में कपड़ा आदि उठा ले गये थे। सुबह परिवार के लोग सोकर उठे तो हो–हल्ला मचाते हुए

खोजबीन करने पर कुछ कपड़ा गांव के बाहर बगीचे व सरयू नहर पर पड़ा मिला। परिवार का कहना है कि कुछ खास नुकसान नहीं हो पाया है। वहीं दूसरी घटना में उसी गांव निवासी मंगरे गुप्ता के घर पर हुई, जहां चोरों ने पीछे के दीवार में सेंध काटकर घुस गये। इस दौरान मंगले गुप्ता की माता सोई हुई थी, जिनका बाक्स चोर उठाकर बगीचे में ले जाकर तोड़ डाला और उसमें रखा कुछ नगदी व छोटा–मोटा जेवरात लेकर चले गये थे। सुबह खोजबीन करने पर बगीचे में सामान व टूटा बाक्स मिला था। दो घरों में एक साथ हुई चोरी की घटना से गांव में जहां चर्चा का बिषय बना हुआ है। वहीं ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। उक्त सम्बन्ध में थाना प्रभारी ढेबरुआ का कहना है कि इस तरह का कोई भी मामला उनके संज्ञान में नहीं है। फिर भी मीडिया के माध्यम से मिली जानकारी का संज्ञान लिया जायेगा। बताते चलें कि उच्चाधिकारियों के दिशा निर्देशनुसार सभी ग्राम पंचायतों में सुरक्षा समिति का गठन कर ग्राम प्रहरियों को भी गांवों में होने वाली छोटी–छोटी घटनाओं पर नजर रखते हुए जिम्मेदार अधिकारियों तक सूचना पहुंचाने में अहम भूमिका होती है। जिससे छोटी घटनाओं को भी समय रहते रोका जा सके। लेकिन कुछ मामलों में पुलिस का सूचना तंत्र कमजोर दिखाई दे रहा है या फिर लापरवाही व नजरअंदाज भी हो सकता है। कुछ मामलों में ग्रामीण भी तहरीर ना देकर पुलिस के पचड़े से बचना चाहते हैं।

थाना लोटन पुलिस ने महनाग ग्राम पंचायत में साइबर अपराध के बारे किया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

लोटन/सिद्धार्थनगर। थाना लोटन जनपद सिद्धार्थनगर मे साईबर जागरूकता अभियान के तहत ग्राम महनाग में गांव के लोगो को वर्तमान मे हो रहे पैसो की धोखाधडी/साईबर फ्राड/व सोशल मीडिया (व्हाट्स एप्प फेसबुक,ट्वीटर जैसे सोशल प्लोटफार्म) पर अनावश्यक रूप से अवैध कमेंट/आपत्तिजनक वीडियो और व्यक्तिगत जानकारियों के दुरूपयोग जैसे अपराधो और साईबर अपराध के प्रति जागरूक किया गया दिनेश कुमार सरोज थानाध्यक्ष थाना लोटन जनपद सिद्धार्थनगर के नेतृत्व में मिशन शक्ति व साइबर टीम ने बुद्धवार को ग्राम महनाग में गांव के लोगो को साईबर जागरूकता अभियान के अन्तर्गत साइबर अपराधों से बचने के सम्बन्ध मे जानकारी दी गयी तथा वर्तमान में हो रहे पैसो की धोखाधडी/साईबर फ्राड व सोशल मीडिया (वाट्सएप , फेसबुक, ट्वीटर जैसे सोशल प्लेटफार्म) पर अनावश्यक रूप से अवैध कमेंट/आपत्तिजनक वीडियो और व्यक्तिगत जानकारियों के दुरूपयोग से हो रहे अपराधो के रोकथाम हेतु शासन द्वारा जारी

हेल्पलाइन नंबर 1930 और छब्च्ब् पोर्टल पर रिपोर्टिंग निर्देशो से अवगत कराया गया व साथ ही शासन द्वारा जारी महिला सम्बन्धी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु टोल फ्री हेल्पलाइन जैसे 1090 वुमेन पावर हेल्पलाइन/ यू0पी0 112 पुलिस सहायता हेल्पलाइन/ 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन/ 1098 चाइल्ड केयर हेल्पलाइन/ 108 एम्बुलेंस हेल्पलाइन /102 एम्बुलेंस सेवा (गर्भवती महिलाओं के लिए)/ 101 अग्निशमन हेल्पलाइन/ 1930 साइबर हेल्पलाइन/ 14567 एल्डर हेल्पलाइन से सम्बन्धित सेवाओं से अवगत कराया गया । साथ ही निम्न बिन्दुओं के बारे में भी बताया गया ।किसी भी संदिग्ध ईमेल, कॉल या संदेश में दिए गए लिंक पर क्लिक न करें या व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें। यदि आवश्यक हो, तो सीधे संगठन की आधिकारिक वेबसाइट से संपर्क करें। अत्यधिक आकर्षक ऑफर वाले विज्ञापनों या सोशल मीडिया पोस्ट से सावधान रहें। अपने सभी डिवाइसों को लॉक, पिन या बायोमेट्रिक सुरक्षा से सुरक्षित करें। सभी ऑनलाइन खातों के लिए एक ही पासवर्ड का उपयोग करने से बचें। व्यक्तिगत और वित्तीय जानकारी कभी भी किसी अज्ञात फोन कॉल या ईमेल पर साझा न करें। अज्ञात स्रोतों से आए लिंक पर क्लिक करने या अटैचमेंट खोलने से बचें। अपने सभी उपकरणों पर एंटी–वायरस सॉफ्टवेयर इंस्टॉल करें और उसे अपडेट रखें। सोशल मीडिया पर अपनी व्यक्तिगत जानकारी साझा करने में सावधानी बरतें।

पुलिस ने अपहरण के आरोपी वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। प्रभारी निरीक्षक सिद्धार्थनगर दुर्गा प्रसाद के नेतृत्व में थाना सिद्धार्थनगर पुलिस द्वारा बुधवार को थाना स्थानीय पर पंजी.त मु0अ0सं0–260/25 धारा 137(2),87,351(3) बीएनएस से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त को बांसी स्टैन्ड के पास से

गिरतार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण कर माननीय न्यायालय भेजा गया। वहीं गिरतार अभियुक्त जितेन्द्र गौंड पुत्र सहदेव गौंड निवासी महदेवा खुर्द थाना व जनपद सिद्धार्थनगर है। इस दौरान गिरतार करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक रमेश कुमार यादव, कांस्टेबल सूरज गुप्ता, कांस्टेबल अर्जुन यादव मौजूद रहें।

पुलिस ने पारिवारिक विवाद को सुलझाकर एक साथ रहने के लिये किया राजी

दैनिक बुद्ध का संदेश

कठेला/सिद्धार्थनगर। एसएसपी सिद्धार्थनगर डा0 अभिषेक महाजन क्रम में एवं अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर प्रशान्त कुमार प्रसाद के कुशल पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी इटवा मयंक द्विवेदी के निर्देशन में एवं थानाध्यक्ष कठेला समयमाता अभय सिंह के नेतृत्व में बुधवार

को आवेदिका श्रीमती साकिना पत्नी मारुफ ग्राम झकहिया थाना कठेला समयमाता जनपद सिद्धार्थनगर द्वारा शिकायत किया गया था कि आवेदिका श्रीमती साकिना पत्नी मारुफ व उनके पति मारुफ पुत्र रहमान ग्राम झकहिया के बीच कुछ कहा–सुनी हुआ था, जिससे पति–पत्नी के मध्य मनमुटाव हो गया था। उभय पक्षों को मिशन शक्ति मय टीम द्वारा दोनों पक्षों (पति–पत्नी) को उनके आपसी रिश्तों व पारिवारिक कर्तव्यों के बारें में अवगत कराया गया। जिससे दोनों पक्ष (पति–पत्नी) राजी–खुशी से साथ रहने के लिये तैयार हो गये। अब दोनों पक्षों के मध्य कोई विवाद नही है। दोनो पति–पत्नी को सकुशल एक साथ राजी–खुशी उनके घर भेज दिया गया। उक्त पुलिस कार्यवाही की आम जनमानस द्वारा सराहना की गयी। इस दौरान मिशन शक्ति केन्द्र टीम में उप निरीक्षक शिवशंकर शर्मा, उप निरीक्षक नागेन्द्र प्रसाद यादव, हेड कांस्टेबल कमलेश यादव, हेड कांस्टेबल अश्वनी चौहान, महिला हेड कांस्टेबल सत्या त्रिपाठी उपस्थित रहीं।

38 वर्षीय युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटकता मिला

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर जनपद के सदर कोतवाली अंतर्गत सरजू नगर (नौगढ़ चौकी क्षेत्र) में उस समय सनसनी फैल गई, जब एक 38 वर्षीय युवक का शव उसके ही कमरे में संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटकता हुआ मिला। घटना के बाद मृतक के परिजनों में चीख–पुकार मच गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सरजू नगर निवासी हरिश्चंद्र जायसवाल (38 वर्ष), पुत्र माया चंद्र जायसवाल, का शव बुधवार सुबह उनके घर के कमरे में रस्सी के फंदे से लटकता हुआ पाया गया। सुबह जब काफी देर तक दरवाजा नहीं खुला, तो परिजनों ने भीतर का नजारा देखा, जिसे देख उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी (ब्) सदर विश्वजीत शौर्य, कोतवाली प्रभारी दुर्गा प्रसाद पुराने और नौगढ़ चौकी प्रभारी अशोक कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुँचे। मामला संदिग्ध होने के कारण फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया, जिसने मौके से साक्ष्य जुटाए। घर मुख्य मार्ग (रोड) पर होने के कारण वहां राहगीरों और स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई।मृतक हरिश्चंद्र अपने पीछे पत्नी और तीन बच्चों (दो बेटी और एक बेटा) को रोता–बिलखता छोड़ गए हैं। पिता की मौत के बाद बच्चों के भविष्य पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं और पूरे परिवार का सहारा छिन गया है।

आत्महत्या का कारण अभी भी रहस्य

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हालांकि, युवक ने आत्मघाती कदम क्यों उठाया, इसका कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। स्थानीय स्तर पर इसे पारिवारिक कलह, बेरोजगारी या आर्थिक तंगी से जोड़कर देखा जा रहा है।

समाजसेवी दामोदर यादव के निवास पर 200 कंबल किया गया वितरण

दैनिक बुद्ध का संदेश

संत कबीर नगर। शीत लहरी से कांप रहे गरीबों व असहायों को राहत दिलाए जाने के लिए विभिन्न समाजसेवी संगठनों द्वारा कंबलों का वितरण किया गया। कहीं शिविर लगाकर तो कहीं भ्रमण कर गरीबों व दिव्यांगो को कंबलों का वितरण किया गया। इस दौरान मेहदावल ब्लाक के अंतर्गत ग्राम पंचायत सिसौला टोला पिपरी के निवासी पूर्व हेड मास्टर व समाजसेवी दामोदर यादव द्वारा 200 गरीबों को कंबल वितरण का आयोजन अपने निवास स्थान पर किया गया। हर साल के बाद इस वर्ष भी लगभग 200 महिला और पुरुष और 200 साल का वितरण आज समाजसेवी

दामोदर यादव द्वारा किया गया और ग्रामीणों बबलू यादव रामप्रीत यादव ने कहां की यह एक समाज सेवा है हमारे मास्टर जी द्वारा बहुत ही सराहनीय कार्य किया गया है। साथ ही अन्य स्थानों पर सर्दी से ठिठुर रहे गरीबों को भी कंबल प्रदान किए गए। इस मौके पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जयशंकर पांडे द्वारा कंबल वितरण का कार्य किया गया। शिवप्रसाद अमित यादव चंदन हनुमान यादव प्रयाग यादव रमेश यादव बिल्डर/गिरधर यादव डिप्टी जेलर, ।आदि मौजूद रहे। समाजसेवी दामोदर यादव ने कहा कि समाज सेवा का मौका सबको नहीं मिलता है ऐसे में सबको ठंड से बचाव के लिए अपने गांव में कंबल व साल वितरण करना सामाजिक कार्य है। दामोदर यादव जी के द्वारा विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी असहाय, गरीब, निराश्रित संग बुजुर्गो को कंबलों का वितरण किया गया। दो तीन टोला में साल और कंबल का वितरण पराग यादव द्वारा किया गया।

पुलिस ने लोगों को साइबर अपराध की जानकारी देकर किया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

मिश्रौलिया/सिद्धार्थनगर। थानाध्यक्ष मिश्रौलिया राजेश तिवारी निर्देशन पर बुधवार को चौकी प्रभारी चेतिया उप निरीक्षक प्रदीप चौहान, उप निरीक्षक छविनाथ राम, कांस्टेबल सन्तोष कुमार सिंह, कांस्टेबल आशुतोष सिंह व महिला कांस्टेबल अनुराधा गुप्ता ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चेतिया में लोगों को एकत्रित कर साइबर क्राइम से बचाव हेतु, 1930 तथा **www-cybercrime-gov-in, CEIR** पोर्टल का उपयोग करने तथा नये कानून के सम्बन्ध में बताया गया। इसके अतिरिक्त महिला आरक्षी द्वारा महिला सम्बन्धी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी हेल्पलाइन 1090 वुमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 112 पुलिस हेल्पलाइन, 1098 चाईल्ड केयर लाइन 108 एम्बुलेंस हेल्पलाइन, 101 अग्निशमन हेल्पलाइन, 14567 एल्डर हेल्पलाइन, के सम्बन्ध में जानकारी दी गयी।

पडोसियों ने मड़हे में लगायी आग

जौनपुर। चंदवक थाना क्षेत्र के कनौरा गांव में आपसी रंजिश को लेकर एक व्यक्ति के दबंग पडोसियों ने रास्ता रोक कर उसकी बाइक और मडहे में आग लगा दी है। सरेआम गुंडा गर्दी की विडियों सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। पीडित व्यक्ति राज सिंह का आरोप है कि पडोस में रहले वाले दबंग लोगों ने ये घटना को अंजाम है। सूचना मिलने पर पुलिस हरकत में आयी और घटना की छानबीन करा शुरू कर दिया।

अंतर्राष्ट्रीय हिंदू महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री बनाए गए पी एन पांडेय

दैनिक बुद्ध का संदेश

संत कबीर नगर। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अहलकार सिंह नागर द्वारा संत कबीर नगर जनपद के विधानसभा मेंहदावल के अंतर्गत ग्राम करमैनी निवासी वरिष्ठ पत्रकार/संपादक पी एन पांडेय को अंतर्राष्ट्रीय हिंदू महासभा का राष्ट्रीय महामंत्री नियुक्त किया। वरिष्ठ पत्रकार/संपादक पी एन पांडेय

ने कहा कि संगठन व राष्ट्रीय अध्यक्ष अहलकार सिंह नागर द्वारा दिए गए दायित्वों को पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करूंगा। वरिष्ठ पत्रकार संपादक पी एन पांडेय को अंतर्राष्ट्रीय हिंदू महासभा का राष्ट्रीय महामंत्री बनाए जाने पर शुभचिंतकों,राजनैतिक दलों व सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों ने सोशल मीडिया व फोन कॉल्स के माध्यम से बधाई व शुभकामनाएं दी।बधाई देने वालों में प्रमुख रूप से विधायक अनिल त्रिपाठी,शंकर सहाय,राहुल यादव,शैलेश सिंह राजन,धर्मेंद्र सिंह मुन्ना,सुनील कुमार अग्रहरि,आलोक बर्नवाल,प्रदीप वर्मा,चंदन बर्नवाल,अनूप अग्रहरि , नमन सिंह , चन्दन सिंह , संजय सिंह समेत विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों ने बधाई व शुभकामनाएं दी।

सीडीओ की अध्यक्षता में जेम पोर्टल के सुचारु संचालन से संबंधित कार्यशाला का हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

संत कबीर नगर। जिलाधिकारी आलोक कुमार के निर्देश के क्रम में मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी की अध्यक्षता में जेम पोर्टल पर सुचारू रूप से शासकीय क्रय करने के लिये क्रेता विभागों के प्रशिक्षण हेतु जनपद स्तर पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जेम टीम, लखनऊ के ट्रेनर अंकित शुक्ला ने जेम के क्रियान्वयन से सम्बन्धित प्रस्तुतिकरण किया गया। कार्यशाला में जनपद के समस्त आहरण एवं वितरण अधिकारी एवं उनके जेम से सम्बन्धित पटल सहायक द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यशाला में जेम पोर्टल के क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं से सम्बन्धित प्रश्न विभिन्न विभागों द्वारा पूछा गया जिसका समाधान जेम के प्रशिक्षक द्वारा किया गया। कार्यशाला में वरिष्ठ कोषाधिकारी त्रिभुवन लाल, उपायुक्त उद्योग राजकुमार शर्मा, सहायक आयुक्त उद्योग, बेसिक शिक्षा अधिकारी अमित कुमार सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी महेंद्र कुमार, अग्रणी जिला बैंक प्रबन्धक पवन कुमार सिन्हा, जिला आबकारी अधिकारी संजय कुमार एवं अन्य जनपद स्तरीय आहरण वितरण अधिकारी एवं उनके जेम से सम्बन्धित पटल सहायक आदि उपस्थित रहे।

नेपाल में धार्मिक तनाव के बाद सीमावर्ती जिलों में भी अलर्ट

दैनिक बुद्ध का संदेश

खुनुवां/बढ़नी/सिद्धार्थनगर। पड़ोसी देश नेपाल के परसा जिला प्रशासन कार्यालय (डीएओ) ने टिक टॉक वीडियो को लेकर जारी धार्मिक तनाव के मद्देनजर बीरगंज शहर में कर्यू की अवधि मंगलवार दोपहर तक बढ़ाई, लेकिन बाद में कर्यू हटा लिया। इससे पहले स्थानीय प्रशासन द्वारा सोमवार

दोपहर जिले के कुछ हिस्सों में निषेधाज्ञा जारी करने के बाद भी दो पक्षों में झड़पों को देखते हुए कर्यू कुछ घन्टे बढ़ाया था। वहीं नेपाल में तनाव के मद्देनजर सीमावर्ती जिलों सिद्धार्थनगर और महराजगंज में भी पुलिस और एसएसबी अलर्ट हैं। सिद्धार्थनगर में ककरहवा से लेकर बढ़नी बॉर्डर तक और महराजगंज मे सोनौली से ठूठीबारी तक मुख्य आवागमन के रास्तों के साथ ही पगडंडियों पर पहरा बढ़ गया है। सीमापार से हर आने जाने वालों की गहन जांच की जा रही है। खिचड़ी पर्व को देखते हुए भी विशेष सतर्कता बरती जा रही है। थानाध्यक्ष शोहरतगढ़ नवीन कुमार सिंह एवं ढेबरुआ थानाध्यक्ष नरायन लाल श्रीवास्तव ने बताया कि नेपाल की स्थिति को देखते हुए सीमा पर चौकसी बढ़ाई गई है। सीमा पार करने वालों से विशेष पूछताछ की जा रही है। वहीं अलीगढ़वा व ककरहवा पर सुरक्षा एजेन्सी और लोकल थाने की पुलिस अलर्ट नजर आयीं। वहीं नेपाल में जिला प्रशासन सभी से अपील की है कि वे ऐसा कुछ भी न करें जिससे पूरे समुदाय को ठेस पहुंचे, आम जनता भड़के या किसी व्यक्ति विशेष की गतिविधियों के कारण धार्मिक और सामाजिक सौहार्द बिगड़े।

नववर्ष पर लेखपाल संघ द्वारा समरसता गोष्ठी व सहभोज का हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ द्वारा नववर्ष 2026 के शुभारंभ के अवसर पर बुधवार को डुमरियागंज तहसील सभागार में समरसता गोष्ठी एवं सहभोज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उपजिलाधिकारी राजेश कुमार ने की। नववर्ष के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य संघ के सदस्यों में एकजुटता, सामाजिक सौहार्द और आपसी भाईचारे को सुदृढ़ करना रहा। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लेखपालों एवं अधिकारियों ने एक–दूसरे को नववर्ष की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों को बुके भेंट कर स्वागत के साथ किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए तहसीलदार रविकुमार यादव, नायब तहसीलदार विष्णु प्रसाद सिंह, जिलाध्यक्ष अजय कुमार गुप्ता, आनंद गौतम, प्रवेश शुक्ला, लालकृष्ण श्रीवास्तव, फारुक, ग्रा. प.ए. तहसील अध्यक्ष राजेश पाण्डेय, आदर्श बार एसोसिएशन के अध्यक्ष देवेंद्र पाठक सहित अन्य वक्ताओं ने नववर्ष की बधाई दी। वक्ताओं ने काश्तकारों एवं वादकारियों के हित में निष्पक्ष एवं संवेदनशील होकर कार्य करने की प्रतिबद्धता दोहराई। एसडीएम राजेश कुमार ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए सभी को नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने वर्ष 2025 में विशेषकर एसआईआर के दौरान मिले सहयोग के लिए लेखपाल संघ का आभार व्यक्त किया और नए वर्ष में भी प्रशासनिक कार्यों में इसी तरह सहयोग बनाए रखने का आह्वान किया। एसडीएम (न्यायिक) राहुल सिंह ने नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रत्येक दिन को नववर्ष की तरह मानकर निरंतर आगे बढ़ते हुए कर्तव्यनिष्ठा से कार्य करना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में सहभोज का आयोजन किया गया, जिसमें सभी तहसील कर्मियों ने साथ में सहभोज का आनंद लिया। कार्यक्रम का सफल संचालन देवेंद्र कुमार राठौर ने किया। इस अवसर पर पत्रकार व तहसील स्टाफ को डायरी, पेन व कैलेंडर भेंटकर सम्मानित किया गया। इस दौरान अंबिका प्रसाद, वीरेंद्र कुमार, देवीलाल गिरि, प्रभाकांत मौर्य, अवनीश कुमार, रीना भारती, दीप्ति मिश्रा, मधु श्रीवास्तव, संजय वरुण, माता प्रसाद, अंबिकेश, विपिन, आशीष, सत्येंद्र, देवेश, अजय श्रीवास्तव, महेश श्रीवास्तव, राजेश श्रीवास्तव, श्रीकांत श्रीवास्तव, रघुबर प्रसाद, अजय पाठक, उदयभान, मुकेश श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय पक्षी दिवस पर चित्र कला प्रतियोगिता का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

कपिलवस्तु/सिद्धार्थनगर। मंगलवार को वन विभाग द्वारा राष्ट्रीय पक्षी दिवस मनाया गया। चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन हुआ,सभी विजेता को मेडल देकर प्रोत्साहित किया गया। राष्ट्रीय पक्षी दिवस पर वन विभाग की टीम बजहा सागर पहुंची,शहीद–ए–आजम भगत सिंह विद्यालय में चित्र कला का आयोजन हुआ, जिसमें प्रथम स्थान फातिमा खातून, द्वितीय साक्षी कसौधन,व तृतीय संगीता विश्वकर्मा को मेडल व आम का पौधा देकर प्रोत्साहित किया गया। तत्पश्चात छात्र छात्राओं ,स्थानीय बच्चों एवं नागरिकों को बजहा ताल में सैर कर रही पक्षियों को दूरबीन द्वारा दिखाते हुए उनका परिचय कराया गया। अध्यक्षता प्रधान प्रतिनिधि बजहा अली असगर ने किया ।क्षेत्रीय वन अधिकारी नौगढ़ राजेश कुमार कुशवाहा ने आम जनमानस को पक्षियों को पोषित ,संरक्षित करने तथा इनका संरक्षण रखा जाय। उनके पर्यावरणीय योगदान के

सम्बन्ध में विस्तार से चर्चा करते हुए कहा हमारे देश में विदेशी मेहमान पक्षियों का आगमन रहता है,इनके लिए ताल में पानी की भरपूर व्यवस्था जरूरी होता है। हमारे यहां से विलुप्त हो रही पक्षियों को संरक्षण करना जरूरी है। इनकी किलकारीयों खत्म ना किया जाय, बल्कि पक्षियों का शिकार करने वाले लोगों को कानूनी दंड के तहत कार्यवाही की जाएगी। देवेश मिश्र,अमजद ख़ान,शैलेन्द्र यादव राजेन्द्र प्रसाद ,निखिल श्रीवास्तव, अतुल तिवारी ,महेश यादव,पवन यादव ,भवानी शंकर पाण्डेय बसन्त प्रसाद व अदालत प्रसाद वन रक्षक आदि उपस्थित रहे।

हिंदू समाज की एकता ही राष्ट्र की एकता है : राजीव नयन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद सिद्धार्थनगर अंतर्गत बर्डपुर में बुधवार को सकल हिन्दू समाज द्वारा विराट हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें क्षेत्र से हजारों स्थानीय लोगों ने भारी संख्या में भाग लिया । सम्मेलन का शुभारम्भ अतिथियों द्वारा सर्वप्रथम भारत माता के चित्र पर पुष्पार्चन दीप प्रज्वलन कर किया गया । कार्यक्रम का संचालन युवराज ने तथा अध्यक्षता राजेश शर्मा ने किया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर पूज्य कौशलेंद्र गिरी महाराज रहे । कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए उन्होंने हिन्दू एकता के साथ ही आपसी समन्वय और अपने धर्म संस्कृति की रक्षा करने पर बल दिया । उन्होंने जाति पात के आधार पर बिखर रहे हिंदू समाज को सनातन की रक्षा हेतु एक होकर एकजुट होने का आह्वान किया । उन्होंने शशक्त एवं समर्थ नव भारत के निर्माण हेतु हिन्दू समाज के संगठित होने को अनिवार्य बताया । वहीं इस दौरान मुख्य वक्ता के रूप में राजीव नयन ने भी समस्त हिंदू समाज को एकजुट होकर देश की उन्नति में सहभागी बनने का आह्वान करते हुए कहा कि देश के हिंदू समाज की एकता ही राष्ट्र की एकता है । उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि संगठित एवं सशक्त समर्थ हिंदू समाज को कोई भी बाहरी शक्ति प्रभावित नहीं कर सकती । हिंदू की शक्ति से ही सनातन की शक्ति बढ़ेगी । पूर्व में कुछ आक्रांताओं द्वारा हिन्दू समाज पर हुए अत्याचार एवं अन्याय को याद दिलाते हुए उन्होंने सभी से एक होकर रहने की अपील की ताकि कोई भी अन्यायी आगे कभी हिन्दू समाज को आँख न दिखा सके । उन्होंने युवाओं से सामाजिक समरसता एवं राष्ट्र निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कराने का आह्वान किया । उन्होंने कहा कि हिंदुत्व व हिंदू समाज किसी के भी प्रति द्वेष की भावना को नहीं सिखाता बल्कि वह राष्ट्र को एक सूत्र में बाँधकर मानवता को जागृत करने की दिशा मे कार्य करता है। इस दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग सह कार्यवाहक हरिश्चंद्र अग्रहरि जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान पूर्व जिलाध्यक्ष लाल जी त्रिपाठी विधायक प्रतिनिधि सत्य प्रकाश राही हिन्दू जागरण मंच के राजदेव सहित नितेश पाण्डेय अमित उपाध्याय फूलचंद्र जायसवाल विजय जायसवाल अजय उपाध्याय अरविन्द उपाध्याय राजकमल जायसवाल आनंद चौधरी रंजीत कुमार सबलू साहनी दीपक मौर्य ओम प्रकाश यादव दिलीप कुमार गणेश जायसवाल राजकुमार चौधरी वीरू कन्नौजिया गणेश जायसवाल दीपक जायसवाल संदीप मोदनवाल पुनीत जायसवाल मनीष कुमार राकेश मिश्रा सतीश जायसवाल राजेंद्र विश्वकर्मा आशीष गिरी सत्यप्रकाश अर्जुन मद्देशिया विनय वर्मा श्रवण दुबे रणजीत चौधरी अनिल कुमार घनश्याम गिरी कंचन वर्मा आशीष मिश्रा प्रियांशु जायसवाल संतोष अग्रहरि रामनिवास विश्वकर्मा शिवकरन पूर्णेश्वर मिश्र पवन मिश्र अवधेश मोदनवाल अर्जुन चौधरी प्रदीप गोस्वामी इंद्रजीत श्रवण दुबे संजय कसौधन पवन पाण्डेय संतोष उपाध्याय नंदकिशोर हरिशंकर जेपी मौर्य रामबिलास मौर्य प्रेम प्रकाश श्रीवास्तव मोहन चौधरी प्रतिमा दुबे मुन्नी देवी बालगोविंद पाठक शिवकुमार बलराम जायसवाल दिनेश जायसवाल राजकुमार जायसवाल गिरधारी उमर आशीष जायसवाल बबलू पाण्डेय अर्जुन लोधी अम्बरीश जायसवाल हेमंत कुमार अनिल चौधरी परशुराम साहनी सहित तमाम कार्यकर्ता उपस्थित रहे

पैदल मार्च कर कराया सुरक्षा का अहसास

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थ नगर/जोगिया। कानून व शांति व्यवस्था बनाए रखने का लेकर जोगिया कस्बे में बुधवार की शाम क्षेत्राधिकारी बांसी रोहिनी यादव के अगवाइ मे थाना अध्यक्ष मीरा चौहान सहित अन्य पुलिसकर्मियों ने सड़क पर पैदल मार्च कर लोगों को सुरक्षा का भरोसा दिलाया। व थाना अध्यक्ष ने स्थानीय लोगो से मिलकर उसने बातचीत की। साथ हां उनसे शांति व्यवस्था बनाए रखने की सहयोग की अपील की।

मरम्मत कार्य के नाम पर काट दिया चकरोड, ग्रामीण ने वीडियो बना किया वायरल

दैनिक बुद्ध का संदेश

कपिलवस्तु। केंद्र सरकार की योजना अन्तर्गत प्रदेश सरकार जहां गरीब मजदूरों को जी राम जी नई योजना के तहत साल में 125 दिन की रोजगार देने की बात कर रही है। जिसके माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र में साफ सफाई सड़क मरम्मत, नाली निर्माण, इंटरलॉकिंग कार्य के माध्यम से रोजगार मुहैया करा रही है।वहीं बर्डपुर ब्लाक अंतर्गत ग्राम सभा भरवालिया के खोल्हवा टोला से भटौली तक चकमार्ग का निर्माण कराया जाना है। ग्राम प्रधान द्वारा इस पर लगभग दस मजदूर लगा मिट्टी का कार्य कराया जा रहा है। मिट्टी की कमी को देखते हुए। मजदूरों से कहा गया कि चक रोड के दोनों तरफ सड़क को एक एक मीटर खोद कर चकरोड पर मिट्टी डाल दिया जाय। मजदूर सड़क को एक एक मीटर काट कर चकरोड पर मिट्टी डाल रहे थे। कि, रास्ते से गुजर रहे ग्रामीण ने इसका बीडीओ बना कर वायरल कर दिया।ग्रामीण परदेशी यादव,दिनेश कुमार, विजय,रमेश,आदि ने कहा कि सड़क को चौड़ा करने के बजाय सड़क को काट कर सड़क पर मिट्टी डाल, भुगतान कराया जाएगा। क्या इस पर विभाग भुगतान कराने की अनुमति देगा। ग्रामीणों ने कहा दस मजदूर को मौके पर लगा सैकड़ों मजदूरों की हाजरी लगा गलत भुगतान कराते है। यह किसकी सह पर किया जा रहा है। जो सरकारी धन का बंदर बाट किया जा रहा है। उपरोक्त ने उच्च अधिकारी से कार्य की जांच कर कार्यवाही की मांग किया है।

दो दिवसीय विज्ञान तकनीकी अभियांत्रिकी गणित (स्टेम) का प्रशिक्षण संम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद सिद्धार्थनगर जिला बेसिक शिक्षा विभाग, कॉपर सर्जिकल एवं स्माइल फाउंडेशन के सहयोग से स्थापित स्टेम लैब के संचालन हेतु दो दिवसीय प्रशिक्षण किया गया। जनपद सिद्धार्थनगर के कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में विज्ञान तकनीकी अभियांत्रिकी गणित प्रयोगशाला की स्थापना स्माइल फाउंडेशन के सहयोग से किया। जिसके संदर्भ में एकेडमिक रिसोर्स पर्सन, स्टेट रिसोर्स पर्सन एवं वार्डन, गणित एवं विज्ञान की अध्यपिकाओ को प्रशिक्षित किया गया। इस अवसर पर सुरेन्द्र श्रीवास्तव जिला बालिका शिक्षा समन्वयक, एकेडमिक रिसोर्स पर्सन, स्टेट रिसोर्स पर्सन ने बेसिक शिक्षा विभाग, सिद्धार्थनगर और कॉपर सर्जिकल एवं के सहयोग से किया। जिसके संदर्भ में एकेडमिक रिसोर्स पर्सन, स्टेट रिसोर्स पर्सन एवं वार्डन, गणित एवं विज्ञान की अध्यपिकाओ को प्रशिक्षित किया गया। इस अवसर पर सुरेन्द्र श्रीवास्तव जिला बालिका शिक्षा समन्वयक, एकेडमिक रिसोर्स पर्सन, स्टेट रिसोर्स पर्सन अंशुमान सिंह, अपूर्व श्रीवास्तव के साथ सीनियर मैनेजर अशिमा श्रीवास्तव एवं स्माइल फाउंडेशन सिद्धार्थनगर की टीम उपस्थित रही। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य हैं कि स्टेम को प्रयोगात्मक रूप से धरातल पर उतारने के लिए सभी की क्षमता को विकसित कर सहयोग प्रदान करते हुए क्रियान्वित करना है। स्टेम लैब को धरातल पर संचालित होने से बच्चो को वर्तमान परिवेश में आत्म निर्भर एवं प्रतियोगिता प्रतिस्पर्धा के लिए वरदान साबित होगा। साथ ही साथ इस प्रशिक्षण में स्टेम आधारित पुस्तिका में। संकलित किए गए प्रयोगों को जो आसानी से अपने ग्रामीण परिवेश में मिल सकते हैं उनके प्रयोगों और सिद्धांतों के बारे में बताया गया।

मिशन शक्ति टीम ढेबरुआ ने डा0 जाकिर हुसैन पब्लिक स्कूल औरहवा की छात्राओं को किया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। एसएसपी सिद्धार्थनगर डॉ0 अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के तहत एवं अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर प्रशान्त कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण में व क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी एवं थानाध्यक्ष नरायन लाल श्रीवास्तव के नेतृत्व में मिशन शक्ति व साइबर क्राइम, मिशन शक्ति केन्द्र, बहू–बेटी सम्मेलन एवं नये कानून के सम्बन्ध के अन्तर्गत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत डा0 जाकिर हुसैन पब्लिक स्कूल औरहवा में छात्राओं को महिला सम्बन्धी अपराध, साइबर अपराध व उससे बचाव के सम्बन्ध में जागरुक किया गया तथा विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरों के बारें में जानकारी दी गयी। वहीं महिला सशक्तिकरण सम्बन्धी बातों को बताते हुए मिशन शक्ति फेज 5. 0 कार्यक्रम के अन्तर्गत निम्न हेल्पलाइन नम्बर, कानूनों की जानकारी देते हुए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदत्त किये गये अभियान के तहत जागरुक किया गया। वहीं महिला सम्बन्धी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु विभिन्न हेल्पलाइन नम्बर–112, पुलिस आपातकालीन सेवा 1090, वूमेन पावर हेल्पलाइन 1076, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 108, एमवबुलेंस सेवा 1930, साइबर अपराध हेल्पलाइन 1098, चाइल्ड हेल्पलाइन 102, स्वास्थ्य सेवा के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान मिशन शक्ति टीम में उप निरीक्षक कुंज बिहारी तिवारी, डा0 शोमनाथ शर्मा, कांस्टेबल अमरेश पाण्डेय, महिला कांस्टेबल श्रद्धा त्रिपाठी मौजूद रही। वहीं प्रधानाचार्य अब्दुर्रकीब, प्रबन्धक अब्दुल मोबीन साहब, अध्यापक एम0 औतार, मौलाना जलाल अहमद, मौलाना असदुल्लाह साहब ने कार्यक्रम में सहयोग किया।

डीएम ने चकबंदी लेखपाल अनिता यादव को रिश्वत मांगने के आरोप में किया निलम्बित

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। जनपद सिद्धार्थनगर में महिला लेखपाल का ग्रामीणों से अवैध वसूली का मामला प्रकाश में आया है। लेखपाल ने चकबंदी के बाद गांव में कैम्प लगाकर रजिस्टर पर नाम चढ़ा रही थीं। इस दौरान उन्होंने एक ग्रामीण से कहा कि 50 रुपए से काम नहीं चलेगा, चुपचाप 100 रुपए रखो। जिसका वहां मौजूद किसी दूसरे ग्रामीण ने इसका वीडियो बना लिया। महिला लेखपाल ने नाम चढ़ाने के बदले करीब 600 ग्रामीणों से 50 से लेकर 200 रुपए तक वसूले। पूरा मामला तहसील शोहरतगढ़ की ग्राम पंचायत बैजनथा का है। आपको बता दें कि चकबंदी कैम्प मंगलवार दोपहर को लगाया गया था और अवैध धन वसूली का वीडियो बुधवार को तेजी से वायरल हो रहा है। वहीं वायरल वीडियो को संज्ञान लेने के बाद डीएम ने जांच के बाद महिला लेखपाल अनिता यादव को निलंबित कर दिया। ग्राम पंचायत बैजनथा की कुल आबादी करीब 2500 है। इसमें कटहा, बैरिहवा, नइडहर और लमुइया टोले गांव आते हैं। इस गांव की चकबंदी एक महीने पहले हुई है। इस दौरान फॉर्म–41 और 45 भरना अनिवार्य होता है। फॉर्म–41 और 45 में खातेदारों के नाम और जमीन से जुड़े अभिलेख दर्ज किये जाते हैं। यही फॉर्म भरवाने के लिए मंगलवार को विभाग की तरफ से गांव में कैम्प लगवाया गया था। कैम्प में चकबंदी लेखपाल अनिता यादव अपने सहयोगी के साथ फॉर्म भरवा रही थीं। वायरल वीडियो में यह साफ दिख रहा है कि महिला लेखपाल एक–एक ग्रामीण का नाम लेकर उसे फॉर्म दे रही हैं और फॉर्म के बदले पैसे ले रही हैं। उसके सामने बैठा सहयोगी एक बैग में पैसे रखता नजर आ रहा है। ग्रामीणों ने कहा कि चकबंदी

लेखपाल अनिता यादव ने फॉर्म–41 और 45 में नाम दर्ज करने के लिए सभी से 50 रुपए से 200 रुपए तक की वसूली की थी। वहीं वायरल वीडियो में एक ग्रामीण लेखपाल से 50 रुपए देने की बात कहता है तो लेखपाल उसकी तरफ देखते हुए कहती हैं कि तुम 50 दोगे। चुपचाप 100 रुपए रखो। इसके बाद उक्त ग्रामीण 100 रुपये की नोट तख्त पर रखता नजर आ रहा है। वसूली का ये वीडियो जब प्रशासनिक अफसरों तक पहुंचा तो हड़कम्प मच गया। इस सम्बन्ध में गांव के लोगों का आरोप है कि जो ग्रामीण पैसे देने में आनाकानी कर रहे थे, उनके काम में जान–बूझकर देरी की जा रही थी। इसके चलते करीब 600 लोगों ने पैसे दिये हैं। बाकी बचे लोगों के लिए बाद में कैम्प लगाने की बात भी कही गई। महिला लेखपाल अनीता यादव की वसूली का वीडियो संज्ञान में लेने के बाद जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने जांच के आदेश दिये। वीडियो की जांच एसडीएम से जांच कराई गई। आरोप सही पाये जाने पर लेखपाल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया।

दिव्यांशु जी महाराज ने बाल विवाह समाप्त करने का किया आवाहन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर के प्राचीन श्री सिंहेश्वरी मंदिर के महंत दिव्यांशु जी महाराज द्वारा एसोसिएशन फॉर वॉलंटरी एक्शन के 100 दिवसीय बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जनपद की आम जनता से बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति को समाप्त करने का सशक्त आवाहन किया गया है। इस अवसर पर महंत दिव्यांशु जी महाराज ने बाल विवाह से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए अभिभावकों से बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजने तथा उनके स्वास्थ्य एवं पोषण पर विशेष ध्यान देने की अपील की। उन्होंने कहा कि शिक्षित और स्वस्थ बच्चा ही समाज व राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला होता है। इस दौरान एसोसिएशन फॉर वॉलंटरी एक्शन से अभिनव द्विवेदी एवं पीरामल फाउंडेशन से कार्यक्रम समन्वयक योगेंद्र मोहन ने महंत दिव्यांशु जी महाराज के साथ बैठक कर स्वास्थ्य, शिक्षा एवं पोषण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में समुदाय स्तर पर जागरूकता बढ़ाने एवं बाल विवाह की रोकथाम हेतु सामूहिक प्रयासों को और सशक्त बनाने पर सहमति व्यक्त की गई। यह पहल जनपद में बाल विवाह उन्मूलन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है, जिससे समाज में सकारात्मक बदलाव की उम्मीद जताई जा रही है।

सम्पादकीय

इसके साथ ही अपराध नियंत्रण में केंद्रीय एजेंसियों से बेहतर तालमेल करने की भी जरूरत है। इसके अलावा बंदूकों पर लगाम लगाने के लिये कानून को सख्ती से लागू करने की आवश्यकता होगी। राज्य में रोजगार के अवसरों में वृद्धि, कौशल विकास में व्यापक निवेश करने तथा भटके हुए युवाओं को मुख्यधारा में लाने के प्रयास योजनाबद्ध ढंग से करने होंगे। ऐसे राज्य में जो ...

कानून व्यवस्था की पोल खोलती हत्याएं

यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि पंजाब में सरेआम की जा रही लक्षित हत्याओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। दुस्साहसी हत्यारे अपने मंसूबों को अंजाम देकर साफ निकल जाते हैं। यह विडंबना ही है कि पंजाब में नये साल की शुरुआत दिनदहाड़े हुई हत्याओं की एक शृंखला के साथ हुई है। अब चाहे लुधियाना जिले में एक पूर्व कबड्डी खिलाड़ी की निर्मम हत्या हो या अमृतसर के मैरिज रिसॉर्ट में एक विधायक के करीबी सरपंच की गोली मारकर बेरहमी से हत्या, इनसे पता चलता है कि पंजाब के अपराधियों में कानून का भय नहीं रह गया। निश्चित रूप से ये घटनाएं पंजाब में गंभीर चुनौती बनती एक जटिल समस्या की ओर इशारा करती हैं। इस चिंताजनक होती स्थिति की वजह लगातार अपराधी गिरोहों के नेटवर्क का मजबूत होना, घातक हथियारों की सहज उपलब्धता और पुलिस बल पर लगातार बढ़ता दबाव भी है। दूसरी ओर विपक्षी दल आरोप–प्रत्यारोपों का सिलसिला चलाए रहते हैं और राजनीतिक लक्ष्यों के लिये मुख्यमंत्री भगवंत मान के इस्तीफे की मांग करते रहते हैं। वहीं सरकार इस संकट को अपने पूर्ववर्तियों द्वारा विरासत में छोड़ा गया बताते हैं। लेकिन एक हकीकत है कि इन बयानबाजियों से नागरिकों की असुरक्षा कम नहीं होती है। वहीं पंजाब के शीर्ष पुलिस अधिकारियों की दलील होती है कि पंजाब में अपराध दर राष्ट्रीय औसत से काफी कम है। लेकिन राज्य में बढ़ते अपराधों के संकट को किसी भी सूरत में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। निश्चित रूप से जब हत्याएं राज्य के भीड़भाड़ वाले इलाकों में होती हैं तो लोगों का कानून व्यवस्था से भरोसा उठ जाता है। वहीं दूसरी ओर राज्य के पुलिस महानिदेशक की दलील है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ड्रोन के जरिये हथियार, गोला–बारूद और नशीले पदार्थ भेजकर सीमांत राज्य पंजाब के खिलाफ परोक्ष युद्ध छेड़े हुए है। निश्चय ही यह बात इस सीमावर्ती राज्य के लिये गंभीर चिंता का विषय है। इसमें दो राय नहीं कि पंजाब के डीजीपी का पाक से अपराधियों को प्रश्रय देने वाला बयान चिंता बढ़ाने वाला है। खासकर उस राज्य के लिये, जिसने एक दशक तक उग्रवाद का सामना किया हो। लेकिन पंजाब के अपराध संकट के लिये केवल बाहरी कारकों को ही जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है। यह पुलिस विभाग की शिथिलता व खुफिया तंत्र की नाकामी के साथ सामाजिक विद्रूपताओं से भी उपजा संकट है। निस्संदेह, राज्य में अधिक बेरोजगारी है। बंदूक संस्कृति का महिमामंडन भी गंभीर चुनौती है। वहीं दूसरी ओर युवाओं में रातों–रात धनवान बनने का लालच भी स्थानीय व क्षेत्रीय गिरोहों के पनपने की गंभीर वजह है। इसके अलावा पुलिस विभाग की संरचना की भी कुछ विसंगतियां सामने आती हैं। मसलन पुलिस व्यवस्था में उच्च अधिकारियों की तो अधिकता है मगर फील्ड स्टाफ पर काम का बोझ जरूरत से ज्यादा है। इसके अलावा पुलिस के कामकाज में राजनीतिक हस्तक्षेप के भी आरोप लगते रहे हैं। यही वजह है कि पुलिस, हासिल कुछ सफलताओं के बावजूद जनता का विश्वास जीतने के लिये संघर्ष कर रही है। लेकिन राजनीतिक बयानबाजियों से इतर राज्य सरकार को अपनी रणनीति में बदलाव लाकर धरातल पर गंभीर प्रयास करने होंगे। मौजूदा हालात में बहुआयामी रणनीति बनाने की सख्त जरूरत महसूस की जा रही है। इसके अंतर्गत पुलिस सुधार भी प्राथमिकता के आधार पर किए जाने की जरूरत है, ताकि हाइटैक अपराधियों पर शिकंजा कसा जा सके। इसके साथ ही अपराध नियंत्रण में केंद्रीय एजेंसियों से बेहतर तालमेल करने की भी जरूरत है। इसके अलावा बंदूकों पर लगाम लगाने के लिये कानून को सख्ती से लागू करने की आवश्यकता होगी। राज्य में रोजगार के अवसरों में वृद्धि, कौशल विकास में व्यापक निवेश करने तथा भटके हुए युवाओं को मुख्यधारा में लाने के प्रयास योजनाबद्ध ढंग से करने होंगे। ऐसे राज्य में जो एक दशक तक चरमपंथ की त्रासदी झेल चुका हो, अपराधियों के खिलाफ बड़ी मुहिम वक्त की मांग है। राज्य के सत्ताधीशों को चाहिए कि पंजाब द्वारा कड़ी मेहनत से हासिल की गई शांति को गैंगस्टरों, ड्रग माफिया और आतंकवादियों के घातक गठजोड़ का शिकार कदापि नहीं होने दें।

जारी है शीतलहर, जिंदगी गई है ठहर

शीतलहर जारी है। कड़ाके की ठंड और कोहरे के कारण उत्तर भारत में जीवन पर भारी असर है। जहाँ लोग घरों में दुबके हैं, बाजार सूने हैं और हृदय रोगियों की संख्या बढ़ रही है, जिससे स्वास्थ्य संबंधी चिंताएँ बढ़ गई हैं। लोग आवश्यक सावधानी बरतने की अपील कर रहे हैं। यह स्थिति लोगों को घर में रहने, बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ख्याल रखने और जरूरी होने पर ही बाहर निकलने की सलाह देती है, क्योंकि ठंड से गैंग्रीन जैसी गंभीर बीमारियाँ भी हो सकती हैं। कड़ाके की ठंड में तापमान में भारी गिरावट देखी जा रही है। शाम और सुबह के समय गलन बढ़ जा रही है। इससे जीवन जीवन ठप हो जा रहा है। दिन में भी तेज धूप न निकलने, घने कोहरे से आम जनजीवन प्रभावित हुआ है। शाम होते ही सड़कें सूनी पड़ जा रही है। भीषण ठंड से स्वास्थ्य संबंधी जोखिम है। इससे हार्ट अटैक के मामलों में वृद्धि हुई है। त्वचा कड़ी और रूखी हो जा रही है।उंगलियों – कानों में फफोले, गैंग्रीन का खतरा उत्पन्न हो जा रहा है। आपको परामर्श दिया जाता है कि आप अपने घरों में रहें। बच्चों और बुजुर्गों को बचाएं। जरूरी काम हो तो ही घरों से बाहर निकलें। ध्यातव्य है कि प्रचंड शीतलहर लोगों को घरों तक सीमित कर दे रही है। भीषण ठंड दैनिक जीवन को अस्त व्यस्त कर बाधित कर रही है, जिससे स्वास्थ्य के प्रति विशेष सतर्कता की आवश्यकता होती है। फिलहाल भीषण शीतलहर के प्रभाव से बचने के लिये सावधानियां बरतें।

लेखक विनय कांत मिश्र/दैनिक बुद्ध का संदेश

गैर जिम्मेदार तंत्र की नाकामी से उपजा संकट

शुद्ध पेयजल की व्यवस्था में नाकामी में सरकारी अनियमितताओं की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता। उसका जीता–जागता सबूत हैं शुद्ध पेयजल की आपूर्ति और सीवर लाइन के लिए स्वीकृत 1.93 लाख करोड़ की परियोजनाओं में अभी तक केवल 44 हजार करोड़ के काम पूरे हो पाना। जबकि इनकी अवधि इसी मार्च में पूरी हो रही है। पीने के पानी की लाइनों का पुराना होना, मरम्मत और देखभाल का अभाव, खराब योजना और...

पेयजल लाइनों का पुराना होना, मरम्मत और देखभाल का अभाव, खराब योजना और डिजाइन, जल संचय का अपर्याप्त प्रबंधन, शुद्धीकरण के लिए व्यवस्था और निगरानी की कमी, और घरों से पानी के सैंपल लेकर जांच की व्यवस्था न होना, साथ ही भ्रष्टाचार – इन सभी कारणों से जलापूर्ति व्यवस्था प्रभावित होती है। बीते दिनों इंदौर शहर के भगीरथपुरा क्षेत्र में सीवर अवशेष प्रदूषित पानी के सेवन के कारण 16 से अधिक लोगों की मौतें हो चुकी हैं। अस्पतालों में लगभग 200 लोग भर्ती हैं, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है और 32 मरीज आईसीयू में भर्ती हैं। स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि इंदौर में बोरिंग के पानी में भी मल–मूत्र का बैक्टीरिया पाया गया है। लोग अब एक सप्ताह से अधिक समय बाद भी साफ पानी के लिए टैंकरों पर निर्भर हैं। जब बात सबसे स्वच्छ शहर की हो, तो इस स्थिति में देश के अन्य शहरों की हालत क्या होगी? यह समस्या केवल इंदौर तक सीमित नहीं है, बल्कि गुजरात के गांधीनगर को भी इंदौर जैसे हालात का सामना करना पड़ रहा है। यहां दूषित पानी पीने से 100 से अधिक लोग बीमार होकर अस्पतालों में भर्ती हो चुके हैं। दिल्ली के लोग भी हर साल दूषित पेय जलापूर्ति की समस्या से जूझते हैं। कई बस्तियों में गंदे पानी की आपूर्ति का मामला अभी भी एनजीटी में विचाराधीन है। एनजीटी की सख्ती के बाद अब दिल्ली जल बोर्ड ने इस इलाके की दशकों पुरानी और क्षतिग्रस्त पाइप लाइनों को बदलने का काम शुरू किया है। यह बात भी गौर करने लायक है कि दिल्ली के जल शोधन संयंत्रों में लिए गए 33 सैंपल फेल पाए गए हैं। इंदौर का मामला पूरी तरह से सरकारी लापरवाही का जीता–जागता सबूत है। काफी दिनों से इंदौर के भगीरथपुरा के लोग दूषित पानी की आपूर्ति की शिकायत कर रहे थे। लेकिन जिला प्रशासन और अधिकारियों पर उनकी शिकायतों का कोई असर ही नहीं हुआ। उनकी नींद तब खुली जब दूषित पानी पीने से दस्त और उलटी से लोगों की मौत होने लगी और पीड़ित लोगों की तादाद 3000 के पार पहुंच गयी। उस समय हाई कोर्ट ने तत्काल लोगों को साफ पीने का पानी मुहैया कराने और पीड़ितों का हरसंभव निरूशुल्क इलाज कराने का आदेश दिया। इसके साथ ही, नगर निगम के अपर आयुक्त, जल कार्य निगम के अधीक्षण अभियंता को निलंबित और आयुक्त को हटाने के साथ तीन नगर आयुक्तों की नियुक्ति कर दी। इलाके में सप्लाई किये जाने वाले नर्मदा के पानी के सैंपल लेने का काम शुरू किया। जांच में मल–मूत्र मिश्रित होने की पुष्टि हुई तब नगर निगम ने वहां के बोरिंग के पानी के सैंपल लिए। बोरिंग के 69 सैंपलों में से 35 जांच में फेल पाये गये। नर्मदा जल जांच के बाद अब बोरिंग के पानी में भी फीकल कोलीफार्म बैक्टीरिया की मौजूदगी सामने आयी है, जिससे हैजा फैला। इंदौर मेडिकल कालेज की रिपोर्ट भी पुष्टि करती है कि भगीरथपुरा में एक पाइपलाइन में लीकेज के कारण पीने का पानी दूषित हुआ और यह बीमारी फैली।

अस्पतालों में भर्ती पीड़ित रोगियों में टायफायड के लक्षण भी पाये गये हैं। डाक्टरों का तो इन पीडिघ्तों में हैपेटाइटिस–ए जैसी गंभीर बीमारी से ग्रस्त होने का अंदेशा है। वहीं उलटी–दस्त के संक्रमण के कारण कुछ मरीजों की किडनी भी प्रभावित हुई है। ऐसे रोगियों की स्थिति सुधरने में दूसरे रोगियों की तुलना में काफी समय लगेगा।

सरकार हाईकोर्ट में दावा कर रही है कि हालात काबू में हैं जबकि अस्पतालों में पीड़ितों के पहुंचने का सिलसिला अभी भी जारी है। दुखद यह है कि अभी भी प्रभावित क्षेत्र भगीरथपुरा में पेयजल संकट बरकरार है। एनएचआरसी ने भी इंदौर के भगीरथपुरा में दूषित पानी से हुई मौतों के मामले पर स्वतः संज्ञान लेते हुए राज्य के मुख्य सचिव को नोटिस जारी कर उनसे दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। देश में नीति आयोग की मानें तो हर साल दूषित पानी पीने से दो लाख लोगों की मौत होती है, विशेषज्ञ इनकी तादाद कहीं ज्यादा बताते हैं। नीति आयोग की मानें तो देश में तकरीबन 60 करोड़ लोगों को पीने का साफ पानी उपलब्ध नहीं है। इससे 6 फीसदी जीडीपी का नुकसान होता है। पेयजल की गुणवत्ता के मामले में हमारे देश का दुनिया के 122 देशों में 120वां स्थान है। असलियत में दूषित पानी पीने से होने वाली मौतें विकास के दावों को मुंह चिढ़ाती प्रतीत होती हैं। इससे जल जीवन मिशन की नाकामी साबित होती है।

शुद्ध पेयजल की व्यवस्था में नाकामी में सरकारी अनियमितताओं की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता। उसका जीता–जागता सबूत हैं शुद्ध पेयजल की आपूर्ति और सीवर लाइन के लिए स्वीकृत 1.93 लाख करोड़ की परियोजनाओं में अभी तक केवल 44 हजार करोड़ के काम पूरे हो पाना। जबकि इनकी अवधि इसी मार्च में पूरी हो रही है। पीने के पानी की लाइनों का पुराना होना, मरम्मत और देखभाल का अभाव, खराब योजना और डिजाइन, जल संचय का अपर्याप्त प्रबंधन, शुद्धीकरण के लिए व्यवस्था और निगरानी की कमी, और उपभोक्ता स्तर पर घरों से पानी के सैंपल लेकर जांच की व्यवस्था न होना, साथ ही भ्रष्टाचार, इन सभी कारणों से जल आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित होती है।

मादुरो पर अमेरिकी हमले का फेंटानिल एंगल

दरअसल, फेंटानिल से गर्भ–नाल का सम्ब) चीन का रहा है। शी चिनफिंग का यह देश, फेंटानिल निर्माण से लेकर दुनियाभर में सप्लाई का नेटवर्क संभाले हुए है, जिसमें ज्यादातर लैटिन अमेरिकी देश शामिल हैं। मादुरो तो सबसे कमजोर मुर्गा है। कार्रवाई दरअसल, चीन पर होनी चाहिए थी। ब्यूनस आयर्स में जी–20 समिट के दौरान, चीनी राष्ट्रपति शी, फेंटानिल को एक कंट्रोल्ड ...

रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) के अनुसार, '2024 में ड्रग ओवरडोज से 1,07,543 अमेरिकियों की मौत हुई, जिसमें फेंटेनाइल की वजह से 76,000 से ज्यादा मौतें हुईं। 2025 तक अमेरिका में ड्रग ओवरडोज से होने वाली मौतों की दर दोगुनी से ज्यादा हो गई, इसका बड़ा कारण फेंटानिल की सप्लाई में बढ़ोतरी थी।' राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लंबे समय से राष्ट्रपति निकोलस मादुरो पर अमेरिका में नशीले कारोबार का सूत्रधार होने का आरोप लगाते रहे हैं, जिसके मूल में अमेरिकी युवाओं की रगों में जहर घोलने वाले उच्च तीव्रता के फेंटानिल की तस्करी शामिल रही है। कुछ जानकार बताते हैं कि फेंटानिल ही अमेरिकी हमले और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को फर्स्ट लेडी समेत हिरासत में लेने की सबसे बड़ी वजह रही है। जबकि वेनेजुएला के प्राकृतिक संसाधनों पर अमेरिकी लिप्सा किसी से छिपी नहीं है।

दरअसल, फेंटानिल, धीरे–धीरे दुनियाभर में सुर्खियों में नजर आ रहा है। अटलांटिक के इस पार यह दवा उतनी प्रचलित नहीं है, लेकिन अमेरिका के अनुभवों को देखते हुए यह स्थिति बदलने वाली है। फेंटानिल एक ऐसी समस्या है, जो शायद ही कभी हल होगी। यह ड्रग, हेरोइन से सौ गुना अधिक घातक है। इसके लिए गांजे या अफीम की खेती की जरूरत नहीं है। लैब में तैयार फेन्टानिल, एक शक्तिशाली दर्द निवारक दवा है, जो मॉर्फिन से 50 गुना अधिक असरदार है। इसे मूल रूप से बेल्जियम के रसायनज्ञ पॉल जैन्सन द्वारा संश्लेषित किया गया था। इस दवा का उपयोग बड़ी सर्जरी के लिए होता रहा है, या फिर कैंसर से होने वाले असहनीय दर्द को कम करने में फेंटानिल उपयोगी है।

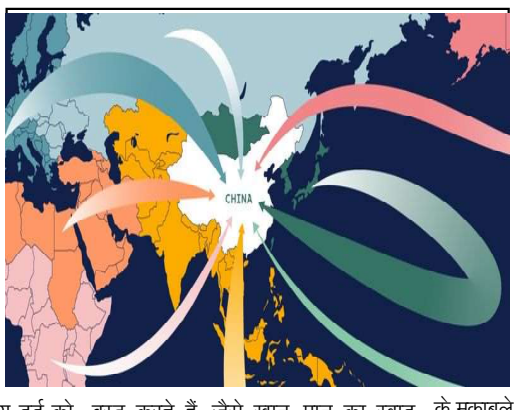

भले ही रासायनिक रूप से इसका अफीम से कोई संबंध न हो, मगर यह दवा मॉर्फिन और हेरोइन के समान ओपिओइड रिसेप्टर्स के साथ रिएक्ट करती है, इसलिए इसे 'ओपिओइड' कहा जाता है। हमारे शरीर में ऐसे रसायन निकलते हैं, जो हमें अच्छा महसूस कराते हैं, ये उन गतिविधियों को बूस्ट करते हैं, जैसे खान–पान का स्वाद लेने, या फिर यौन व्यवहार में। शरीर में अच्छा महसूस कराने वाले रसायनों की मात्रा बढ़ने के कारण ही ओपिओइड की लत लोग लगा लेते हैं। मतलब, दर्द निवारण के लिए निर्मित फेंटानिल, मौज–मस्ती का साधन बन चुका है। गंभीर चुनौती यह है कि फेंटानिल की लत एक बार लग गई तो उससे छुटकारा मौत के बाद ही मिल पाता है। साल 1960 के दशक से ही फेंटानिल के मूल तत्व में कई बदलाव और सुधार किए गए हैं, जिससे इसके अनेक प्रकार के वेरिएंट तैयार हुए हैं, जिनका शरीर पर अलग–अलग प्रभाव होता है। उदाहरण के लिए, 'कार्फेंटानिल', मॉर्फिन से हजारों गुना अधिक शक्तिशाली है। 'कार्फेंटानिल' का उपयोग, उन्मत हाथियों को शांत करने के लिए किया जाता है। हेरोइन और कोकीन जैसी दवाओं के साथ फेंटानिल को मिलाने से इसकी शक्ति नाटकीय रूप से बढ़ जाती है। केवल दो मिलीग्राम फेंटानिल एक वयस्क के लिए घातक हो सकता है। फेंटानिल अमेरिका के ओपिओइड संकट का एक बड़ा हिस्सा बन चुका है। सही से देखा जाये, तो हाल ही में यह खबर आई कि पिछले आठ महीनों में ब्रिटेन में फेंटानिल के कारण कम से कम 75 लोगों की मौत हो चुकी है। लेकिन, अमेरिका में इस दवा के कारण मरने वालों की संख्या के मुकाबले यह कुछ भी नहीं है। रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) के अनुसार, '2024 में ड्रग ओवरडोज से 1,07,543 अमेरिकियों की मौत हुई, जिसमें फेंटेनाइल की वजह से 76,000 से ज्यादा मौतें हुईं। 2025 तक अमेरिका में ड्रग ओवरडोज से होने वाली मौतों की दर दोगुनी से ज्यादा हो गई, इसका बड़ा कारण फेंटानिल की सप्लाई में बढ़ोतरी थी।' डेटा एनालिसिस से पता चलता है, कि फेंटानिल की तस्करी में शामिल लोगों में 75 फीसद अमेरिकंस, करप्ट सिस्टम और पुलिस की सांठगांठ से लगे हुए हैं। ड्रग तस्करी में मात्र 25 प्रतिशत प्रवासी संलग्न दिखे। अर्थातद्द, अपने ही घर में ट्रम्प प्रशासन इसे रोक पाने में नाकारा साबित हुआ है।

भारत में अंडरवर्ल्ड के गिने–चुने सयाने, फेंटानिल को समझ पाए हैं। 2018 में इंदौर में एक अवैध फेंटानिल लैब का भंडाफोड़ हुआ। डायरेक्टोरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस की रिपोर्ट से पता चलता है, कि 'सिनालोआ ड्रग कार्टेल' से जुड़ा एक भारतीय नागरिक शुरू में संगठन को फेंटानिल प्रीकर्सर केमिकल, एनपीपी और एएनपीपी सप्लाई करता था, जिसे कार्टेल से जुड़ा एक चीनी नागरिक फेंटानिल बनाता था और उसे भारत के बरास्ते मैक्सिको भेजता था। दिसंबर, 2018 में, मुंबई एंटी–नारकोटिक्स सेल ने लगभग 100 किलोग्राम 'फेंटानिल प्रीकर्सर एनपीपी' जब्त किया, जिसमें चार भारतीय पकड़े गए। 6 जनवरी, 2025 को न्यूयॉर्क में गुजराती ड्रग तस्कर, भावेश लाठिया को गिरफ्तार किया गया। भावेश, 'रक्सटर केमिकल्स' का संस्थापक और 'एथोस केमिकल्स' का पूर्व निदेशक रहा है। भावेश लाठिया पर आरोप है कि उसने एक प्रीकर्सर केमिकल पर गलत लेबल लगाकर उसे एंटासिड बताया था। कोई पांच महीना पहले, 18 सितंबर, 2025 को नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास की वेबसाइट पर एक हेडलाइन नुमायां हुई– 'फेंटानिल प्रीकर्सर की तस्करी में शामिल होने के कारण भारतीय कंपनी के अधिकारियों और परिवार के सदस्यों के अमेरिकी वीजा रद्द।' बताया गया, कि नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास ने फेंटानिल प्रीकर्सर की तस्करी में शामिल होने के आधार पर कुछ बिजनेस और कॉर्पोरेट लीडरशिप के वीजा रद्द कर दिए हैं।

ट्रंप ने बताया वेजेनुएला का प्लान, तेल और चुनाव पर हैरान करने वाला खुलासा

ट्रंप के वेनेजुएला अटैक को अब तीन दिन हो गए हैं और बड़ा सवाल यह सामने आ रहा है कि अब आगे क्या वेनेजुएला का भविष्य चुनाव से नहीं ट्रंप के ब्लूप्रिंट से डिसाइड होगा। जिसमें सेंटर स्टेज पर ऑयल है और अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपना प्लान साफ कर दिया है। ट्रंप ने वेनेजुएला को लेकर अपने प्लान का खुलासा कर दिया है। फोकस इलेक्शन– इकॉनमी पर है। ट्रंप के मुताबिक वेनेजुएला में इमीडिएट इलेक्शन तो पॉसिबल ही नहीं है। उन्होंने कहा है कि ग्राउंड सिचुएशन अभी इतनी अनस्टेबल है इंफ्रास्ट्रक्चर डैमेज है और अभी लोग वोट करने की कंडीशन में बिल्कुल भी नहीं है। इसलिए अगले 30 दिन में इलेक्शन का बिल्कुल कोई प्लान नहीं है।

पहले देश को ठीक करेंगे ट्रंपः अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका वेनेजुएला के साथ किसी युद्ध में नहीं है और वहां जल्द चुनाव कराने का कोई दबाव भी नहीं डालेगा। एक इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि अगले 30 दिनों में वेनेजुएला में चुनाव नहीं होंगे। वहां की जमीनी स्थिति ऐसी नहीं है कि चुनाव कराए जा सकें। हमें पहले देश को ठीक करना होगा। अगर लोग वोट ही नहीं दे सकते, तो आप चुनाव नहीं करा सकते। वेनेजुएला पर अमेरिकी कार्रवाई और निकोलस मादुरो को गिरफ्तार करने के बाद डेल्सी रोड्रिग्ज ने अंतरिम राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली है। ट्रंप ने कहा कि जल्द ही यह तय किया जाएगा कि रोड्रिग्ज पर लगे प्रतिबंध जारी रहेंगे या नहीं। जब उनसे पूछा गया कि आखिर वेनेजुएला का संचालन कौन कर रहा है, तो ट्रंप ने कहा– श्मैं ।श

वेनेजुएला कार्रवाई पर अमेरिकी जनमत बंटाः हालिया जनमत सर्वेक्षणों के मुताबिक लेकर अमेरिकी जनता की राय साफ तौर पर बंटी हुई है। हालांकि राष्ट्रपति ट्रंप के कई समर्थक इस सैन्य कदम का समर्थन कर रहे हैं, लेकिन व्यापक स्तर पर अमेरिकी दिखते। ।च्—छव्त्ब सर्वे के अनुसार, अधि ।कांश अमेरिकी चाहते हैं कि सरकार का फोकस स्वास्थ्य सेवाओं, महंगाई और आर्थिक चुनौतियों जैसे घरेलू मुद्दों पर रहे।

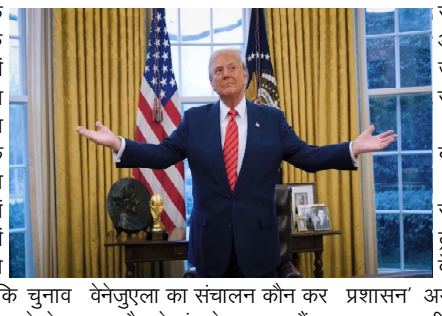

तीन से पांच करोड़ बैरल तेल

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वेनेजुएला में अंतरिम प्रशासन' अमेरिका को बाजार मूल्य पर तीन से पांच करोड़ बैरल उच्च गुणवत्ता वाला तेल उपलब्ध कराएगा। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर लिखा कि तेल जहाजों द्वारा सीधे अमेरिका पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति के रूप में धन पर उनका नियंत्रण होगा लेकिन इसका उपयोग वेनेजुएला और अमेरिका के लोगों के लाभ के लिए किया जाएगा। इसके अलावा, अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस वेनेजुएला के संबंध में तेल कंपनियों के अधिकारियों के साथ ओवल ऑफिस में शुक्रवार को एक बैठक आयोजित करेगा। इसमें एक्सॉन, शेवरॉन और कोनोको फिलिप्स के प्रतिनिधि ।यों के शामिल होने की उम्मीद है। मामले से परिचित एक व्यक्ति ने नाम उजागर न करने की शर्त पर उक्त जानकारी दी। तेल की कीमत करीब 56 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल है जिससे ट्रंप द्वारा मंगलवार देर रात घोषित किया गया यह सौदा 2.8 अरब अमेरिकी डॉलर तक का हो सकता है। अमेरिकी ऊर्जा सूचना प्रशासन के अनुसार, अमेरिका औसतन प्रतिदिन करीब दो करोड़ बैरल तेल एवं संबंधि ।त उत्पादों की खपत करता है। इसलिए वेनेजुएला से आने वाली यह खेप लगभग ढाई दिन की आपूर्ति के बराबर होगी।

टी20 विश्व कप: मिचेल सैंटनर संभालेंगे न्यूजीलैंड की कमान, 15 सदस्यीय टीम का हुआ ऐलान

न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने मंगलवार को आगामी आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। स्टार ऑलराउंडर मिशेल सैंटनर इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में 15 सदस्यीय टीम की कप्तानी करेंगे। 33 वर्षीय सैंटनर ने 2015 में टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। तब से, स्पिन गेंदबाजी करने वाले यह ऑलराउंडर टी20 प्रारूप में न्यूजीलैंड टीम के महत्वपूर्ण सदस्य रहे हैं।

सैंटनर ने 122 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जिनमें उन्होंने 22.89 की औसत से 130 विकेट लिए हैं, साथ ही तीन बार चार विकेट भी लिए हैं। बल्लेबाजी में सैंटनर ने दो अध ।शतकों सहित 848 रन बनाए हैं। अनुभवी तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन और मैट हेनरी पितृत्व अवकाश के कारण टी20 विश्व कप के कुछ मैचों में नहीं खेल पाएंगे। ये दोनों खिलाड़ी टूर्नामेंट से पहले चोटों से उबर रहे न्यूजीलैंड के खिलाड़ियों के समूह में भी शामिल हैं।

न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) की एक विज्ञप्ति में ईएसपीएनक्रिकइंफो के हवाले से कहा गया है, ष्चूंकि फर्ग्यूसन और हेनरी की पत्नियां टूर्नामेंट के दौरान बच्चे को जन्म देने वाली हैं, इसलिए संभावना है कि उन्हें अल्पकालिक पितृत्व अवकाश दिया जाएगा।ष दोनों खिलाड़ी पिंडली की चोट से उबर रहे हैं और उन्हें न्यूजीलैंड की 15 सदस्यीय टीम में फिन एलन (उंगलीध्हैमस्ट्रिंग), मार्क चौपमैन (टखना) और कप्तान सैंटनर (एडक्टर) के साथ शामिल किया गया है। फर्ग्यूसन ने नवंबर 2024 के बाद से न्यूजीलैंड के लिए कोई मैच नहीं खेला है।

एडम मिल्ने, जिन्होंने आखिरी बार जुलाई में न्यूजीलैंड के लिए खेला था, और अनुभवी ऑलराउंडर जेम्स नीशम भी टी20 विश्व कप टीम का हिस्सा हैं। जैकब डफी को भी विश्व कप के लिए पहली बार टीम में शामिल किया गया है। काइल जैमीसन को रिजर्व खिलाड़ी के रूप में रखा गया है। न्यूजीलैंड को ग्रुप डी में अफगानिस्तान, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका और यूएई के साथ रखा गया है। न्यूजीलैंड अपना पहला टी20 विश्व कप 2026 मैच 8 फरवरी को चेन्नई में अफगानिस्तान के खिलाफ खेलेगा। 2026 टी20 विश्व कप से पहले, न्यूजीलैंड भारत में श्वेत गेंद की एक श्रृंखला खेलेगा। ब्लैक कैप्स, मेन इन ब्लू के खिलाफ तीन वनडे और पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेंगे।

2026 आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के लिए न्यूजीलैंड की टीम

मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रैसवेल, मार्क चौपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, डैरिल मिशेल, एडम मिल्ने, जेम्स नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, टिम सीफर्ट, ईश सोढ़ी। रिजर्व खिलाड़ीरू काइल जैमीसन

शतक जड़ने वाले रुतुराज गायकवाड़ को किया **Drop**, बीसीसीआई की **Selection** पर पूर्व क्रिकेटर्स ने उठाए सवाल

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज सदागोप्पन रमेश का मानना ष्है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज के लिए रुतुराज गायकवाड़ को टीम में शामिल किया जाना चाहिए था। रमेश ने कहा कि ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी की जगह रुतुराज को टीम में शामिल किया जाना चाहिए था और उन्होंने पांचवें सीम बॉलर को शामिल करने के फैसले पर सवाल उठाया। गायकवाड़ ने हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में नंबर 4 पर बल्लेबाजी करते हुए शतक बनाया था, लेकिन न्यूजीलैंड सीरीज के लिए उन्हें टीम से बाहर रखा गया। रमेश ने कहा कि रेड्डी की भूमिका अभी स्पष्ट नहीं है और उनकी जगह गायकवाड़ को टीम में शामिल किया जाना चाहिए था।

न्यूजीलैंड सीरीज के लिए भारतीय टीम से रुतुराज गायकवाड़ को बाहर किए जाने से बीसीसीआई चयन समिति के फैसलों पर सवाल उठ रहे हैं। चेन्नई के इस बल्लेबाज ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने पिछले मैच में शतक बनाया था, लेकिन फिर भी उन्हें टीम में जगह नहीं मिली। उनका बाहर होना श्रेयस अय्यर की वापसी के साथ हुआ है, जो ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान लगी चोट से उबरकर टीम में लौटे हैं, जिससे चयन प्राथमिकताओं पर बहस और तेज हो गई है। हालांकि, अय्यर की फिटनेस जांच पूरी होने पर ही टीम में उनकी उपलब्धता तय होगी, और इस अनिश्चितता के बावजूद, चयनकर्ताओं ने गायकवाड़ को बैकअप विकल्प के रूप में नहीं चुना।

पूर्व भारतीय बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा ने गायकवाड़ को टीम से बाहर किए जाने पर हैरानी जताते हुए इसे पचाना मुश्किल बताया। उन्होंने भारतीय क्रिकेट में लगातार ष्अस्तित्व बनाए रखनेष के दबाव का जिक्र किया और असफलताओं से निपटने और आगे बढ़ते रहने के लिए दृढ़ता, सकारात्मक आत्म–संचार और सकारात्मक पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करने के महत्व पर बल दिया। गायकवाड़ ने 2022 में वनडे क्रिकेट में पदार्पण किया, लेकिन तब से उन्हें लगातार मौके नहीं मिल पाए हैं। नौ मैचों में उन्होंने 28.50 के औसत से 228 रन बनाए हैं, जिनमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है।

उथप्पा ने भारतीय क्रिकेट में सफलता पाने के लिए आवश्यक अथक परिश्रम पर जोर दिया, खासकर मुंबई, दिल्ली और पंजाब जैसे प्रमुख क्रिकेट केंद्रों से बाहर के खिलाड़ियों के लिए। उन्होंने उच्चतम स्तर पर जगह बनाने के लिए निरंतर प्रयास करने, संघर्ष करने और दृढ़ रहने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने आगे कहा, "और आपको लगातार संघर्ष करते रहने का रास्ता खोजना होगा, खासकर अगर आप भारत के तीन बड़े राज्यों – मुंबई, दिल्ली और पंजाब – में से किसी एक से नहीं आते हैं। अगर आप इन राज्यों में से किसी एक से नहीं हैं, तो आपको खुद को लगातार आगे बढ़ाते रहना होगा।"

रुपया शुरुआती कारोबार में 26 पैसे चढ़कर 89.92 प्रति डॉलर पर

रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में 26 पैसे चढ़कर 89.92 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। डॉलर के कमजोर रुख और

वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट से घरेलू मुद्रा को बल मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.20 पर खुला। फिर लगातार बढ़त हासिल करता हुआ 89.92 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 26 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया लगातार चार सत्र की गिरावट को तोड़ते हुए मंगलवार को 12 पैसे की मजबूती के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.18 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 प्रतिशत की गिरावट के साथ 98.52 पर रहा। घरेलू शेयर बाजार के मोर्चे पर सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 169.64 अंक टूटकर 84,909.30 अंक पर जबकि निफ्टी 42.35 अंक फिसलकर 26,128.90 अंक पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 1.05 प्रतिशत की गिरावट के साथ 60.06 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) मंगलवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 107.63 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

झूठे बहाने से हिंदू मारो! बांग्लादेश में जिहादी प्लान, 18 दिन में गई 6 जान

बांग्लादेश में हिंदू लिंचिंग को खुलकर बढ़ावा कौन दे रहा है? क्या मोहम्मद यूनुस सरकार ने अब इसकी खुली छूट दे दी है? बांग्लादेश में कट्टरपंथी जमात क्यों बेखौफ होकर अल्पसंख्यक हिंदुओं को टारगेट कर रहा है? 24 घंटे में दो हिंदुओं की बेरहमी से हत्या और एक हिंदू विधवा के साथ उसके घर में घुसकर गैंगरेप, रिश्तेदारों की मौजूदगी में दरिंदगी। यह है बांग्लादेश से आई वो खबरें जो यह सवाल उठा रही हैं कि अल्पसंख्यक हिंदू आबादी को टारगेट कर इन हिंसक वारदातों पर मोहम्मद यूनुस सरकार की बेफिक्री आखिर क्यों है?

बांग्लादेश में एक और हिंदू की गला रेतकर हत्या, 18 दिन में 6 मर्डरः बांग्लादेश के नरसिंगदी शहर में अज्ञात हमलावरों ने सोमवार रात एक हिंदू किराना दुकानदार की धारदार हथियार से हत्या कर दी। इससे कुछ ही घंटों पहले बांग्लादेश के जेस्सोर जिले में सोमवार को अज्ञात हमलावरों ने एक हिंदू व्यापारी राणा प्रताप बैरागी को सिर में गोली मारकर उनकी हत्या कर दी थी। पलाश उपजिला के चारसिंदूर बाजार में दुकानदार मणि चक्रवर्ती पर सोमवार रात करीब 11 बजे हमला हुआ। इस सप्ताह मारे गए वह तीसरे हिंदू कारोबारी हैं। 15 दिनों में बांग्लादेश में 6 हिंदुओं की हत्या हो चुकी है। पुलिस और स्थानीय लोगों ने बताया कि मणि दुकान बंद कर अपने घर लौट रहे थे, तो हमलावरों ने उन पर हमला किया।

पुलिस ने कैसे दीपू दास को कट्टरपंथियों को सौंप दिया

दीपपू दास की मॉब लिंचिंग की गई। वीडियो सामने आ चुका है कि बांग्लादेश की पुलिस ने कैसे दीपू दास को कट्टरपंथियों को सौंप दिया था। दीपू दास की हत्या से लेकर अब तक के 18 दिनों में बांग्लादेश में छह हिंदुओं को बेरहमी से मार डाला गया है। कहीं ईर्ष निंदा, कहीं जबरन वसूली, कहीं देशद्रोह का झूठा आरोप हिंदुओं को टारगेट करने के पीछे कट्टरपंथी जमात ऐसे अनेक बहाने अपने पास लेकर चल रहे हैं। गढ़ रहे हैं। जिस महमंत सिंह जिले में दीपपू दास को लिंचिंग के बाद जलाया गया। वहां बांग्लादेश पैरामिलिट्री फोर्स में तैनात बृजेंद्र विश्वास की हत्या उसी के साथी नोमान मियां ने कर दी। 31 दिसंबर को न्यू ईयर से ठीक पहले शयदपुर जिले में खोकन दास नाम के हिंदू कारोबारी को भीड़ ने जमकर पीटा। फिर उनके सिर पर भीड़ ने पेट्रोल डालकर उन्हें आग लगा दी। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। हिंदुओं को टारगेट करने वाली इन सारी वारदातों में बांग्लादेश की पुलिस वहां का प्रशासन दिखावे की सिर्फ कारवाई कर रहा है। 18 दिन में छह हिंदुओं की बेरहमी से हत्या की जा चुकी है।

हादी की हत्या पर चार्जशीट

बांग्लादेश पुलिस ने मंगलवार को कहा कि छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या राजनीतिक प्रतिशोध के कारण अवामी लीग के इशारे पर की गई थी। पुलिस ने हादी की हत्या में 17 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दायर किया। ढाका पुलिस की खुफिया शाखा के एक अधिकारी के हवाले से बताया गया कि हादी ने रैलियों और सोशल मीडिया पर आवामी लीग और छात्र लीग की कड़ी आलोचना की थी। उनके कमेंट से छात्र लीग और उससे जुड़े समूहों के नेता और कार्यकर्ता नाराज थे। छात्र लीग शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग का छात्र संगठन है।

सेंसेक्स, निफ्टी में शुरुआती कारोबार में गिरावट

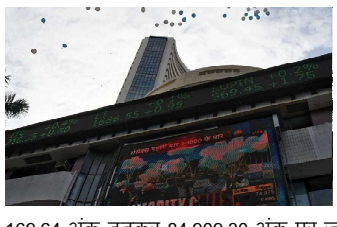

भू–राजनीतिक तनाव के बीच सेंसेक्स और निफ्टी में बुधवार को शुरुआती कारोबार में गिरावट दर्ज की गई। विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी से भी शुरुआती कारोबार में बाजारों में सुस्ती छाई रही। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 169.64 अंक टूटकर 84,909.30 अंक पर जबकि एनएसई निफ्टी 42.35 अंक फिसलकर 26,128.90 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस और मारुति के शेयर सबसे अधिक नुकसान में रहे। हालांकि टाइटन, इन्फोसिस, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में तेजी रही। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और चीन का एसएसई कम्पोजिट बढ़त में रहे जबकि जापान का निक्की 225 तथा हांगकांग का हैंग सेंग नुकसान में रहे। अमेरिकी बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुए थे। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.87 प्रतिशत की गिरावट के साथ 60.17 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) मंगलवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 107.63 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। दूसरी ओर, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 1,749.35 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

ऑपरेशन सिंदूर रोकने के लिए अमेरिका में 60 बार लगाई थी गुहार, पाकिस्तान पर अमेरिका का सबसे बड़ा खुलासा

पिछले साल अप्रैल में हुए पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान भारत की ओर से तय सैन्य कार्रवाई की सोच से कांप रहा था। वह किसी भी तरह से भारत का ऑपरेशन सिंदूर रोकना चाहता था। इसके लिए उसने लॉबिंग के तहत अपने राजनयिकों के जरिए अमेरिका में शीर्ष प्रशासिक अधिकारियों, सांसदों, पेंटागन और विदेश विभाग के अफसरों के साथ करीब 60 बार संपर्क किया था। अमेरिका के फॉरेन एजेंट्स रजिस्ट्रेशन एक्ट (फारा) के तहत दाखिल दस्तावेजों से पता चला है कि पाकिस्तानी राजनयिकों ने ईमेल, फोन कॉल, वनटूवन बैठकों के जरिए अप्रैल अंत से लेकर चार दिनी ऑपरेशन सिंदूर के बाद तक संघर्ष विराम के लिए बैठकें जारी रखीं। वह किसी भी तरह से भारत पर वॉशिंगटन का दबाव बनाकर युद्ध रुकवाना चाहता था। उसने ट्रंप प्रशासन तक तेजी से पहुंच बनाने और व्यापार व कूटनीतिक फैसलों को प्रभावित करने के लिए छह लॉबिंग फर्मों पर करीब 45 करोड़ रु. खर्च किए थे। अप्रैल और मई के दौरान पाकिस्तान का लॉबिंग खर्च भारत की तुलना में कहीं अधिक बताया गया।

अमेरिकी लॉबिंग फर्म का इस्तेमालः दूसरी ओर, भारतीय विदेश मंत्रालय के सूत्रों ने कहा कि संपर्क बढ़ाने के लिए अमेरिका में विभिन्न दूतावास, प्राइवेट कंपनियां और व्यावसायिक संगठन लॉबिंग फर्मों और कन्सलटेंट्स का सहारा लेते हैं।

भारतीय दूतावास भी 1950 के बाद से ही आवश्यकता के अनुसार ऐसी फर्मों के साथ अनुबंध ।करता रहा है। अमेरिका में डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस में फरिन एजेंट्स रजिस्ट्रेशन एक्ट के तहत विदेशी सरकारों के साथ लॉबिंग करना कानूनी और स्थापित प्रथा है। जस्टिस विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर इसका पूरा रिकॉर्ड है कि कब–कब, किसने किन लॉबिंग फर्मों के साथ संपर्क किया। इसे किसी प्रकार की मध यस्थता के तौर पर देखना एकदम गलत है। भारत द्वारा नियुक्त एक अमेरिकी लॉबिंग फर्म ने एक सार्वजनिक दस्तावेज में खुलासा किया कि उसने 10 मई को ट्रंप प्रशासन के चार अधिकारियों से संपर्क करने में अमेरिकी दूतावास की सहायता की थी। हालांकि, भारतीय दूतावास ने कहा कि फर्म को नियुक्त करना स्थानीय प्रथाओं और आवश्यकताओं के अनुरूप था।

जेसन मिलर के नेतृत्व वाली एसएचडब्ल्यू पार्टनर्स एलएलसी को भारतीय दूतावास ने अप्रैल में कथित तौर पर एक वर्ष के लिए 1.8 मिलियन अमेरिकी डॉलर में नियुक्त किया था। यह भारतीय दूतावास द्वारा नियुक्त की गई दूसरी लॉबिंग फर्म थी। अगस्त 2025 में, भारतीय दूतावास ने अमेरिका को भारतीय निर्यात पर 50 प्रतिशत टैरिफ लागू होने से कुछ ही दिन पहले रणनीतिक संचार सेवाएं प्रदान करने के लिए एक और लॉबिंग फर्म को नियुक्त किया था। उस समय के विदेशी एजेंट पंजीकरण दस्तावेजों के अनुसार, दूतावास ने 15 अगस्त से शुरू होने वाले तीन महीने के अनुबंध पर मर्करी पब्लिक अफेयर्स के साथ हस्ताक्षर किए थे, जिसके तहत 75,000 डॉलर का मासिक शुल्क दिया जा रहा था।

डिजिटल लाइब्रेरी योजना की प्रगति की डीएम ने की समीक्षा, समयबद्ध क्रियान्वयन के निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोण्डा जनपद में शैक्षिक एवं सामाजिक विकास को नई दिशा देने के उद्देश्य से राजकीय जिला पुस्तकालय तथा पंचायती राज विभाग द्वारा ग्राम पंचायतों में डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना को लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में डीएम प्रियंका निरंजन की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में इस महत्वाकांक्षी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन, अब तक की प्रगति तथा आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। डीएम प्रियंका निरंजन ने कहा कि ग्राम पंचायतों में डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना से ग्रामीण क्षेत्रों के छात्र–छात्राओं, युवाओं एवं आम नागरिकों को शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, रोजगारपरक जानकारी एवं ज्ञानवर्धक साहित्य सुलभ हो सकेगा।उन्होंने कहा कि यह

पहल डिजिटल इंडिया और साक्षर भारत जैसे राष्ट्रीय अभियानों को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि चयनित ग्राम पंचायतों में डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना निर्धारित समयसीमा के भीतर सुनिश्चित की जाए।इसके साथ ही आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता, बेहतर इंटरनेट कनेक्टिविटी, कंप्यूटर, फर्नीचर एवं अन्य तकनीकी सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने को कहा।उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि डिजिटल लाइब्रेरी में ई–बुक्स, प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित अध्ययन सामग्री, सामान्य ज्ञान, कृषि, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास से जुड़ी जानकारी सहित अन्य उपयोगी डिजिटल कंटेंट उपलब्ध कराया जाए। साथ ही विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों को डिजिटल संसाधनों के प्रभावी उपयोग हेतु प्रशिक्षण की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए, ताकि योजना का अधिकतम लाभ जनसामान्य तक पहुंच सके। मुख्य विकास अधिकारी अंकिता जैन ने योजना के क्रियान्वयन में विभागीय समन्वय पर जोर देते हुए कहा कि पंचायती राज, शिक्षा एवं पुस्तकालय विभाग आपसी तालमेल से कार्य करें। जिला विकास अधिकारी सुशील कुमार श्रीवास्तव ने ग्राम पंचायत स्तर पर आवश्यक व्यवस्थाओं एवं नियमित मॉनिटरिंग के संबंध में जानकारी दी।जिला पंचायत राज अधिकारी लालजी दुबे ने डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना से जुड़े प्रशासनिक एवं तकनीकी पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। बैठक में अपर जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी तथा मुख्य कोषागार अधिकारी ने भी अपने–अपने विभागों से संबंधित सुझाव प्रस्तुत किए।

आईजी व एसपी ने शासन द्वारा चलाये जा रहे जेडएफडी अभियान के तहत ब्लैक स्पॉट्स का किया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा में हो रहे दुर्घटनाओ को देखते हुए पुलिस महानिरीक्षक देवीपाटन परिक्षेत्र अमित पाठक एवं पुलिस अधीक्षक गोण्डा विनीत जायसवाल द्वारा शासन की मंशा के अनुरूप चलाए जा रहे जेडएफडी अभियान के अंतर्गत नगर क्षेत्र में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं यातायात व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाए जाने के उद्देश्य से चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स का स्थलीय निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान चौपाल सागर,कुटी तिराहा, हारीपुर गांव,चौपाल सागर के पास स्थित पेट्रोल पंप तथा महिंद्रा शोरूम के पास दुर्घटना संभावित स्थलों का बारीकी से जायजा लिया गया।इस दौरान पूर्व में घटित सड़क दुर्घटनाओं के कारणों, यातायात दबाव, सड़क की भौगोलिक स्थिति, प्रकाश व्यवस्था, संकेतक बोर्ड, स्पीड ब्रेकर, अतिक्रमण एवं अन्य सुरक्षा मानकों की विस्तार से समीक्षा की गई।पुलिस

महानिरीक्षक अमित पाठक द्वारा संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि शासन के जेडएफडी अभियान के तहत चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स पर त्वरित एवं प्रभावी सुधारात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।इसके अंतर्गत पर्याप्त साइन बोर्ड एवं रिफ्लेक्टिव मार्किंग,स्पीड कंट्रोल उपाय, सड़क प्रकाश व्यवस्था में सुधार तथा यातायात नियमों का सख्ती से पालन कराया जाए।आमजन को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने हेतु विशेष अभियान चलाने के निर्देश भी दिए गए।पुलिस अधीक्षक गोण्डा द्वारा बताया गया कि जेडएफडी अभियान का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु दर को शून्य पर लाना है। इसके लिए पुलिस, परिवहन विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों के आपसी समन्वय से ठोस एवं निरंतर कार्यवाही की जाएगी,जिससे जनपद गोण्डा में सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं दुर्घटना मुक्त यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके।इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक गोण्डा पूर्वी मनोज कुमार रावत, क्षेत्राधिकारी नगर आनन्द कुमार राय, एआरटीओ आर.सी. भारती एवं प्रभारी निरीक्षक समेत अन्य अधि0/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

आईजी ने लापरवाही करने पर थाना प्रभारी के खिलाफ विभागीय जाँच किये जाने तथा मिशन शक्ति प्रभारी को निलम्बित करने के दिये निर्देश

आईजी ने मण्डल के अपहृत एवं गुमशुदा नाबालिग बालिकाओं की बरामदगी स्थिति व थाना प्रभारियों के कार्यों की समीक्षा की गयी

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। पुलिस महानिरीक्षक देवीपाटन परिक्षेत्र अमित पाठक द्वारा परिक्षेत्र स्तर पर विशेष अभियान चलाकर मिशन शक्ति की थानावार समीक्षा की जा रही है।तत्क्रम में थाना रानीपुर जनपद बहराइच तथा थाना पचपेड़वा जनपद बलरामपुर के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई।थाना रानीपुर की समीक्षा में मिशन शक्ति अभियान के तहत की गयी कार्यवाही में एण्टारोमियो डोजियर की कार्यवाही,एण्टीरोमियो की दैनिक कार्यवाही,महिला बीट रजिस्टर की मासिक प्रविष्टियाँ एवं निरोधात्मक कृत कार्यवाही असंतोषजनक पायी गयी। जिस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए आईजी आईजी अमित पाठक द्वारा थाना प्रभारी संतोष कुमार अवस्थी व मिशन शक्ति प्रभारी निलम्बित करने के निर्देश दिए गए।थाना प्रभारी संतोष कुमार

उ0नि0 विनय कुमार मिश्रा से अभियान के सम्बन्ध एवं उनके स्वयं के द्वारा किये गये कार्यों की जानकारी ली गयी। मिशन शक्ति प्रभारी उ0नि0 विनय कुमार मिश्रा को मिशन शक्ति अभियान के कार्यों में शिथिलता व लापरवाही बरतने के आरोप में अवस्थी को थाने के कार्यों में शिथिलता बरतने एवं गुमशुदा/अपहृत नाबालिग बालिकाओं से सम्बन्धित अभियोगों व मिशन शक्ति से जुड़े प्रकरणों में पर्याप्त जानकारी ना होने पर उनके विरुद्ध प्रारंभिक जाँच के निर्देश दिये गये।इसके साथ ही मिशन शक्ति अभियान के तहत बेहतर कार्य करने पर थाना रानीपुर में ही नियुक्त महिला आरक्षी– गोल्डी त्रिपाठी को आईजी महोदय द्वारा 2000/ रुपये का नकद पुरस्कार देने के निर्देश दिये गये।समीक्षा क्रम में थाना पचपेड़वा जनपद बलरामपुर की मिशन शक्ति अभियान के तहत की गयी कार्यवाही अपेक्षानुरुप रही।इस दौरान आईजी अमित पाठक द्वारा अभियान से जुड़ी विभिन्न कृत कार्यवाहियों का अवलोकन किया गया तथा निस्तारित प्रकरणों में लिये जाने वाले फीडबैक को और अधिक प्रभावशाली बनाये जाने तथा महिलाओं एवं बालिकाओं की काउंसलिंग कार्यवाही को मिशन शक्ति एस. ओ.पी.(मानक संचालन प्रक्रिया) के अनुरुप किये जाने के निर्देश दिए।

आईजी अमित पाठक द्वारा कहा गया कि, मिशन शक्ति अभियान एवं पुलिसिंग में थाना प्रभारी एवं अन्य किसी अधिकारी/कर्मचारी की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी।मिशन शक्ति अभियान केंवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं विश्वास की गारंटी है। इसमें संवेदनशीलता, तत्परता और जवाबदेही के साथ कार्य किया जाए।

झपटमारी का खुलासा, शातिर अभियुक्त गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। थाना सादुल्लानगर क्षेत्र में हुई झपटमारी की घटना का पुलिस ने सफल अनावरण करते हुए एक शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से घटना से संबंधित 4270 रुपये की नकदी बरामद की गई है। पुलिस दूसरे आरोपी की तलाश में दबिश दे रही है। जानकारी के अनुसार अचलपुर धाट निवासी कल्लू पुत्र जानकी प्रसाद ने 6 जून 2025 को थाना सादुल्लानगर में तहरीर दी थी कि वह इंडियन बैंक शाखा रामपुर अरना से रुपये निकालकर साइकिल से घर जा रहे थे। इसी दौरान दो अज्ञात बदमाशों ने झोले में रखी नकदी झपट ली और फरार हो गए। मामले में थाना सादुल्लानगर पर मुकदमा संख्या 57/25 धारा 304(2) बीएनएस के तहत दर्ज किया गया था। घटना के अनावरण के लिए गठित पुलिस

टीम ने जांच के दौरान प्रकाश में आए अभियुक्त प्रीतम कुमार गौतम पुत्र ओमप्रकाश, निवासी ग्राम चेरुईया, थाना कप्तानगंज, जनपद बस्ती को गिरफ्तार किया। अभियुक्त के कब्जे से झपटे गए रुपयों में से 4270 रुपये बरामद किए गए। आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद उसे न्यायालय भेज दिया गया। पूछताछ में अभियुक्त ने स्वीकार किया कि 6 जून को वह अपने साथी के साथ रामपुर अरना बैंक के पास रेकी कर रहा था। बैंक से रुपये निकालकर साइकिल से जा रहे व्यक्ति के हैंडल में टंगी काली पन्नी से नकदी झपटकर दोनों फरार हो गए थे। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त शातिर किस्म का अपराधी है, जिसके विरुद्ध बलरामपुर सहित बस्ती, अयोध्या, संतकबीरनगर, गोरखपुर और सुल्तानपुर जनपदों में कुल 22 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। घटना में शामिल दूसरे अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश जारी है।

सीएमओ ने आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का किया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से आज दिनांक 07 जनवरी 2025 को मुख्य

चिकित्सा अधिकारी बलरामपुर डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी द्वारा आयुष्मान आरोग्य मंदिर मुड़ीला एवं शिवा नगर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान केंद्रों पर उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं, अभिलेखों की स्थिति तथा लाभार्थियों को दी जा रही सेवाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। निरीक्षण के क्रम में आयुष्मान आरोग्य मंदिर पर आयोजित टीकाकरण सत्र का भी अवलोकन किया गया। इस दौरान एएनएम पूनम यादव द्वारा अब तक किए गए कार्यों की जानकारी दी गई, जिसमें बताया गया कि सत्र के समय तक 03 गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व जांच की जा चुकी थी तथा 19 बच्चों का नियमित टीकाकरण किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने टीकाकरण की गुणवत्ता, कोल्ड–चेन व्यवस्था एवं अभिलेख रख रखाव को संतोषजनक पाया। इसके उपरांत मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने जनपद में संचालित विटामिन–ए सम्पूरण अभियान की प्रगति का भी निरीक्षण किया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि नौ माह से पांच वर्ष आयु वर्ग के सभी बच्चों को अभियान के अंतर्गत अनिवार्य रूप से विटामिन–ए का घोल पिलाकर शत–प्रतिशत आच्छादन सुनिश्चित किया जाए, जिससे बच्चों में कुपोषण एवं दृष्टि संबंधी समस्याओं की रोकथाम की जा सके। सीएमओ डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी ने दोनों आयुष्मान आरोग्य मंदिरों पर तैनात सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देशित किया कि केंद्र पर आने वाले प्रत्येक मरीज की एनसीडी (गैर संचारी रोग) स्क्रीनिंग अवश्य की जाए। उन्होंने कहा कि मधुमेह, उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों की समय रहते पहचान कर उपचार शुरू करना आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। निरीक्षण के दौरान डीएमओ राजेश पाण्डेय, डीपीएम शिवेंद्र मणि त्रिपाठी, जिला स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा, सहायक शोध अधिकारी सिद्धार्थ गुप्ता, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी प्रियांशु, कमल कुमार सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने उपस्थित एएनएम को निर्देशित किया कि शासन की स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, इसके लिए कार्य में पारदर्शिता, संवेदनशीलता एवं गुणवत्ता बनाए रखना अनिवार्य है।

निर्माणाधीन मां पाटेश्वरी राज्य विश्वविद्यालय का डीएम ने किया स्थलीय निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जिलाधिकारी श्रमिकों के लिए अलाव की सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विपिन कुमार जैन द्वारा समुचित व्यवस्था सुनिश्चित जिलाधिकारी ने विश्वविद्यालय के निर्माणाधीन मां पाटेश्वरी राज्य विश्वविद्यालय का स्थलीय निरीक्षण किया गया, जिसमें उन्होंने परिसर में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति की गहन समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कार्य की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए संबंधित कार्यदायी संस्था को श्रमिकों की संख्या बढ़ाकर निर्माण कार्य को और अधिक तेजी से कराने के निर्देश दिए, ताकि परियोजना निर्धारित समय–सीमा में पूर्ण की जा सके। शीतकाल को ध्यान में रखते हुए जिलाधिकारी ने निर्माण स्थल पर कार्यरत

श्रमिकों को ठंड से राहत मिल सके और कार्य सतत रूप से जारी रहे। इसके साथ ही विश्वविद्यालय के सुचारु संचालन हेतु आवश्यक विद्युत आपूर्ति को सुनिश्चित कराने के भी निर्देश दिए, जिससे लिए अलग से किए जा रहे ट्रांसमिशन कार्य में भी तेजी लाने के निर्देश संबंधित विभाग को प्रदान किए।इस दौरान संबंधित अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

रेहरा बाजार पुलिस ने नाबालिग किशोरी को बरामद कर आरोपी को किया गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। थाना रेहरा बाजार पुलिस ने नाबालिग लड़की को बहला–फुसलाकर भगा ले जाने के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए वांछित अभियुक्त को गिरतार कर अपहृता को सकुशल बरामद कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिनांक 04 जनवरी 2026

को थाना रेहरा बाजार क्षेत्र की एक महिला ने तहरीर देकर बताया कि उसकी नाबालिग पुत्री को आकाश यादव पुत्र मंगरे यादव, निवासी दौलताबाद ग्रांट, थाना रेहरा बाजार, बहला–फुसलाकर शादी के उद्देश्य से भगा ले गया है। तहरीर के आधार पर थाना रेहरा बाजार पर मु0अ0सं0 05/26 धारा 137(2)/87 बीएनएस के अंतर्गत मुकदमा पंजी.त किया गया।पुलिस अधीक्षक बलरामपुर विकास कुमार के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पांडेय एवं क्षेत्राधिकारी उतरौला राघवेन्द्र सिंह के पर्यवेक्षण में, प्रभारी निरीक्षक दुर्गेश कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने 05 जनवरी 2026 को अपहृता को बरामद कर अभियुक्त को गिरतार कर लिया। अभियुक्त को आवश्यक वैधानिक कार्रवाई के बाद माननीय न्यायालय भेज दिया गया है।

आठ नामजदो पर सात गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था विद्युत कर्मियों पर हमल

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद के थाना मोतीगंज क्षेत्र अंतर्गत छाछपारा मुतवल्ली गांव में बिजली विभाग की कार्रवाई के दौरान मंगलवार को हालात बेकाबू हो गए। बकाया बिल और अवैध कनेक्शनों के विरुद्ध कार्रवाई से नाराज ग्रामीणों ने विद्युत विभाग की टीम पर हमला कर दिया।हाथापाई, अभद्रता और मारपीट में अवर अभियंता (जेई) समेत कई कर्मचारी घायल हो गए, जबकि सरकारी अभिलेख फाड़ने और मोबाइल फोन तोड़ने का भी आरोप है।घटना 6 जनवरी 2026 को अपराह्न करीब चार बजे की बताई जा रही है। मिली जानकारी के मुताबिक खोरहंसा विद्युत उपकेंद्र पर तैनात अवर अभियंता विशाल चौरसिया विभागीय टीम के साथ गांव में बकाया वसूली और अवैध कनेक्शनों पर कार्रवाई करने पहुंचे थे।इसी दौरान कुछ ग्रामीणों ने कनेक्शन काटे जाने का विरोध किया और देखते ही देखते मामला उग्र हो गया।आरोप है कि ग्रामीणों ने लाठी–डंडों और हाथों से कर्मचारियों की पिटाई की।हमले में जेई को गंभीर चोटें आईं, जबकि अन्य कर्मचारियों को भी उपचार कराना पड़ा।पीड़ितों के मुताबिक हमलावरों ने जेई और कर्मचारियों के मोबाइल फोन छीनकर तोड़ दिए तथा साथ लाए सरकारी कागजात भी फाड़ दिए। किसी तरह जान बचाकर अवर अभियंता विशाल चौरसिया अपने सहयोगियों के साथ मोतीगंज थाने पहुंचे और तहरीर दी। अवर अभियंता विशाल चौरसिया ने बताया कि बिल जमा करने की बात कहते ही ग्रामीणों ने मारपीट शुरू कर दी। इस घटना में संविदा बिजली कर्मचारी सद्दाम अहमद,अब्दुल वहाब,राजकुमार तिवारी,अनूप श्रीवास्तव,शाहिद अहमद,सुधीर कुमार और संदीप कुमार को भी गंभीर चोटें आई हैं।सभी घायलों का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र काजीदेवर में मेडिकल परीक्षण कराया गया है।घटना का वीडियो भी मंगलवार शाम का बताया जा रहा है,जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मामले की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया।तहरीर के आधार पर थाना मोतीगंज में नान्हू चौहान, सुनील, राम बचन, सम्हारे, राजे, ननकने, अर्जुन और शंकर.कुल आठ नामजद आरोपियों के विरुद्ध सरकारी कर्मचारी पर हमला, मारपीट, गाली–गलौज,सरकारी कार्य में बाधा और अभिलेख नष्ट करने जैसे आरोप में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की सात गंभीर धाराओं 191(2), 115(2), 352, 121(1), 132, 324(4) एवं 310(2) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। इस संबंध में मोतीगंज थानाध्यक्ष अरविंद यादव ने बताया कि तत्काल मुकदमा पंजी.त कर जांच उपनिरीक्षक विवेक कुमार को सौंपी गई है।वायरल वीडियो और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की गहन जांच की जा रही है तथा आरोपियों की गिरतारी के प्रयास जारी हैं।वहीं बिजली विभाग के अधिकारियों ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि सरकारी कर्मचारियों पर हमला कानून–व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती है। दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।घटना के बाद गांव और आसपास के इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ है।

मिशन शक्ति टीम की सराहनीय पहल

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक मुकेश चन्द्र उत्तम के नेतृत्व में थाना गिलौला पुलिस व मिशन शक्ति टीम ने एक गुमशुदा मंदबुद्धि महिला को सकुशल बरामद कर उसके परिजनों को सुपुर्द किया। दिनांक 03 जनवरी 2026 को ग्राम भड़ौरा में एक महिला अस्वस्थ प्रतीत हो घूमने की सूचना पर पहुंची। सम्मानपूर्वक थाना की गई तथा मेडिकल परीक्षण के सेंटर भिनगा भेजा गया। महिला द्वारा बताए गए नाम–पते के आधार पर तस्दीक कर परिजनों से संपर्क किया गया। दिनांक 06 जनवरी 2026 को महिला के पुत्र रमेश व जयेश, निवासी ग्राम गुनाटा, जिला छोटा उदयपुर (गुजरात) थाना पहुंचे, जहां महिला को सकुशल उनके सुपुर्द किया गया। परिजनों ने पुलिस का आभार व्यक्त किया।

नर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं अतिरिक्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण'

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। भारत निर्वाचन के निर्देशानुसार अर्हता तिथि 01.01.2026 के आधार पर विधान सभा निर्वाचन नामावालियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण 2026 हेतु निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं अतिरिक्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों का प्रशिक्षण आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिला निर्वाचन अधिकारी श्री बी0एन0 सिंह की अध्यक्षता मे किया गया इस दौरान जिलाधिकारी ने उपस्थित रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि निर्वाचक नामावली में नये मतदाता को शामिल किये जाने हेतु 06 जनवरी 2026 से 6 फरवरी 2026 तक दावें एंव आपत्तियां दाखिल किये जाने की अवधि निर्धारित की गयी है तद पश्चात दावें एवं आपत्ति की सुनवायी जाच की प्रक्रिया की जानी है दावें आपत्तियों की जॉच व सुनवाई सम्बन्धित तहसीलों में नियुक्त किये गये इ0आर0ओ0 तथा अतिरिक्त इ0आर0ओ0 द्वारा की जायेगी सम्बन्धित इ0आर0ओ0 द्वारा नो मैपिंग वाले मतदाताओ को नोटिस जारी की जायेगी नोटिस जारी होने के पश्चात मतदाता भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित डाक्यूमेंट में से कोई एक दस्तावेज सम्बन्धित बी0एल0ओ0 को उपलब्ध करायेगा जो निम्नवत है किसी भी केंद्र सरकार/राज्य सरकार/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के नियमित कर्मचारी/पेंशनभोगी को जारी किया गया कोई भी पहचान पत्र/पेंशन भुगतान आदेश, 01.07.1987 से पहले सरकार/ स्थानीय

प्राधिकरणों/बैंकों/ डाकघर/ एलआईसी/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा भारत में जारी किया गया कोई भी पहचान पत्र/ प्रमाणपत्र/अभिलेख, सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र, पासपोर्ट, मान्यता प्राप्त बोर्ड/विश्वविद्यालयों द्वारा जारी मैट्रिकुलेशन / शैक्षणिक प्रमाण पत्र,सक्षम राज्य प्राधिकारी द्वारा जारी स्थायी निवास प्रमाण पत्र,वन अधिकार प्रमाण पत्र,सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी ओबीसी / एससी/एसटी या कोई भी जाति प्रमाण पत्र, राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (जहाँ भी हो), राज्य / स्थानीय प्राधिकारियों द्वारा तैयार किया गया परिवार रजिस्टर, सरकार द्वारा जारी कोई भी भूमि/मकान आवंटन प्रमाण पत्र, आधार के लिए, आयोग के पत्र संख्या 23/2025–ईआरएस/खंड द्वितीय 09.09.2025 (अनुलग्नक I) द्वारा जारी निर्देश लागू होंगे, नए मतदाता बनने हेतु पात्र नागरिक। ऐसे युवा जो 01 जनवरी, 2026 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके हों या कर रहे हों और जिनका नाम पहले से मतदाता सूची में दर्ज नहीं है। ऐसे मतदाता जो अपने पूर्व पते से स्थानांतरित होने के कारण अपना गणना प्रपत्र नहीं भर सके अथवा जिनका नाम 2025 की मतदाता सूची में दर्ज नहीं है। घोषणा पत्र व अन्य निर्धारित अभिलेखों के साथ फॉर्म–6 भरें। फॉर्म–6 ऑफलाइन भरकर अपने बी0एल0ओ0 को उपलब्ध कराएं। फॉर्म के साथ अनुलग्नक 4 पर घोषणा पत्र भी भरकर बी०एल०ओ० के पास जमा करेगें। फॉर्म–6 ऑफलाइन भरकर अपने बी0एल0ओ0 को उपलब्ध कराएं। फॉर्म–6 के साथ अनुलग्नक 4 पर घोषणा पत्र भी भरकर बी०एल०ओ० के पास जमा करेगें। ऐसे भारतीय नागरिक जो विदेश में रहरहे है वह घोषणा पत्र व अन्य निर्धारित अभिलेखों के साथ फॉर्म–6। भरें। समस्त बी०एल०ओ० द्वारा 11.01.2026 को अपने बूथ पर उपस्थित होकर सम्बन्धित निर्वाचक नामावली को पढ़कर सुनायेगा, जिससे लोग अपना नाम मतदाता सूची में देख सकते हैं। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी न्यायिक रमेश चन्द्र, उप जिलाधिकारी घोरावल आशीष त्रिपाठी, तहसीलदार सदर अमित सिंह, सहायक निर्वाचन अधिकारी जगरूप सिंह पटेल, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी निजामूद्दीन, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह, ई0 डिस्ट्रीक मैनेजर दिव्यतोष मिश्रा उपस्थित रहें।

रक्तदान शिविर का आयोजन 9 जनवरी को

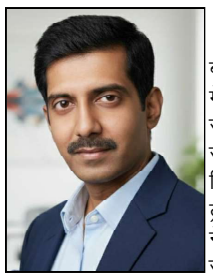

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। उत्सव ट्रस्ट एवं सोनभद्र बार एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में 9 जनवरी को दोपहर 12 बजे से सोनभद्र बार एसोसिएशन परिसर में स्वेच्छा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। उत्सव ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी आशीष कुमार पाठक एडवोकेट ने बताया कि प्रभारी रक्त केंद्र स्वाशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय सोनभद्र की ओर से उमेश चौबे विसीटीवी वैन को पूर्वान्ह 11रू30 बजे तक चिकित्साधिकारी डॉक्टर शुभम जैश,स्टाफ नर्स सरोजा देवी, डॉक्टर रवींद्र प्रसाद काउंसलर, एलटी अभय कुमार व अखिलेश सिंह व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी दिनेश केशरी को साथ लेकर वैन से रक्तदान स्थल पर पहुंचने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने अधिवक्ताओं, वादकारियों, कर्मचारियों, अधिकारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ ही आमलोगों से स्वेच्छा रक्तदान करने का आग्रह किया है।

सुरक्षा का संकल्प, सम्मान का विश्वास : मिशन शक्ति 5.0 के तहत पुलिस का ज़मीनी अभियान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं आत्मनिर्भरता को सु.ढ़ करने के उद्देश्य से मिशन शक्ति अभियान 5.0 के अंतर्गत जनपद में व्यापक एवं सघन जन–जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग से सीधा संवाद स्थापित कर सुरक्षा, सतर्कता एवं आत्मरक्षा का संदेश प्रभावी रूप से पहुँचाया गया। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी यातायात 'डॉ. चारु द्विवेदी सहायक नोडल अधिकारी.मिशन शक्ति 5.0' के कुशल नेतृत्व में जनपद के समस्त थानों की मिशन शक्ति टीमों द्वारा विद्यालयों, महाविद्यालयों, बाजारों, चौराहों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट परिसर में नवनिर्मित सुलभ शौचालय का फीता काटकर किया लोकार्पण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0 एन0 सिंह ने बुधवार को कलेक्ट्रेट परिसर में दूर–दराज से आने वाले फरियादियों और आम जनमानस की सुविधा हेतु नवनिर्मित सुलभ शौचालय का फीता काटकर लोकार्पण किये। जिलाधिकारी ने बताया कि कलेक्ट्रेट में प्रतिदिन जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग अपने कार्यों के लिए आते हैं। उनकी मूलभूत सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए इस आधुनिक सुलभ प्रसाधन का निर्माण कराया गया है। जिलाधिकारी ने परिसर की स्वच्छता को सु.ढ़ करने पर बल देते हुए कहा कि सरकारी कार्यालयों में आने वाले नागरिकों को एक स्वच्छ और स्वच्छ वातावरण मिलना चाहिए। नियमित सफाई के निर्देश जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देशित किया कि शौचालय की नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए और पानी व रोशनी की समुचित व्यवस्था बनाये रखे। इस सार्वजनिक शौचालय मे एक दिव्यांग शौचालय, महिला शौचालय छ, दो बाथरूम, और पुरुष हेतु तीन शौचालय का निर्माण किया गया है इस शौचालय का निर्माण ओ0एन0जी0सी0 के सी0एस0आर0 मद से अन स्टेबल एन0जी0ओ0 द्वारा कराया गया। इस मौके पर उप जिलाधिकारी कलेक्ट्रेट प्रदीप कुमार यादव,एस0ओ0सी0 चकबन्दी जगदीश कुमार, तहसीलदार सदर अमित सिंह, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह, नाजिर कलेक्ट्रेट बाबूलाल, निर्माण सस्था के सचिन कुमार उपस्थित रहें।

जनता दर्शन के माध्यम से पुलिस-जन संवाद मजबूत एसपी ने दिए समयबद्ध निस्तारण के निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा पुलिस कार्यालय में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान बुधवार को जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए फरियादियों की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरता, संवेदनशीलता एवं धैर्यपूर्वक सुना गया। जनता दर्शन में उपस्थित फरियादियों द्वारा भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, गुमशुदगी, धोखाधड़ी सहित अन्य पुलिस संबंधी समस्याओं से पुलिस अधीक्षक सोनभद्र को अवगत कराया गया। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा प्रत्येक फरियादी की समस्या को व्यक्तिगत रूप से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को निष्पक्ष, समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि जनता की शिकायतों का निस्तारण संवेदनशीलता, पारदर्शिता एवं कानून के दायरे में किया जाए तथा किसी भी फरियादी को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए। साथ ही यह भी निर्देश दिए गए कि जिन प्रकरणों में त्वरित कार्यवाही अपेक्षित है, उनमें तत्काल प्रभाव से कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। जनता दर्शन कार्यक्रम के माध्यम से आमजन की समस्याओं को सीधे सुनकर समाधान करने का उद्देश्य पुलिस–जन संवाद को मजबूत करना एवं आम जनता में पुलिस के प्रति विश्वास को और अधिक सु.ढ़ करना है। जनता दर्शन के दौरान संबंधित पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

बेरोजगार अभ्यर्थियों को रोजगार देने के लिए मेला का आयोजन 09 जनवरी को

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिला सेवायोजन अधिकारी, सोनभद्र ने अवगत कराया है की जिला सेवायोजन कार्यालय, सोनभद्र द्वारा जनपद के बेरोजगार अभ्यर्थियों को रोजगार देने के लिए दिनांक 09 जनवरी 2026 को प्रातः 10रू00 बजे से रघुवीर राम प्रा० आई० टी० आई०, पसहीं खुर्द, हिन्दुआरी के पास, वाराणसी रोड, बभनौली, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र, उ०प्र० के परिसर में रोजगार मेला का आयोजन किया गया है, जिसमें निजी क्षेत्र की लगभग 14 कम्पनियां प्रतिभाग करेंगी जिसमें विजन इण्डिया सर्विसेज प्रा० लि० (हिण्डालको इण्डस्ट्रीज, रेनूकुट, सोनभद्र), डीसेट्स, फरीदाबाद, ओमकार ग्रुप, पूणे, मीडलैण्ड माइक्रोफीन, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र, एमॉस स्कील ग्रुप, गुड़गॉव, आर० एस० टी० ग्रुप ऑफ सर्विस, लखनऊ, किसान बाजार, राबर्ट्सगंज, उमोजा मार्केट प्लेस कम्पनी, वाराणसी, कैस्पर माईक्रो क्रेडिट, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र, उ० प्र० परिवहन, सोनभद्र डिपो, रावर्ट्सगंज, सोनभद्र में संविदा पर चालक एवं महिला परिचालक की भर्ती, लीफकार्ट, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र, सोलेरा इण्डस्ट्रीज प्रा० लि०, मधुपुर, सोनभद्र, क्रेडिट एक्सेस ग्रामीण लि०, रावर्ट्सगंज, सोनभद्र एवं श्रीराम फाईनेन्स, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र इत्यादि कम्पनियों द्वारा विभिन्न पदों पर भर्तियां की जाएगी। समस्त इच्छुक एवं योग्य बेरोजगार अभ्यर्थियों का साक्षात्कार नियोजकों द्वारा रघुवीर राम प्रा० आई० टी० आई०, पसहीं खुर्द, हिन्दुआरी के पास, वाराणसी रोड, बभनौली, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र, उ०प्र० के परिसर में लिया जायेगा। यह रोजगार मेला पूर्णतः निःशुल्क है। इस हेतु कोई यात्रा व्यय देय नहीं होगा।

अखिल भारतीय कवि सम्मेलन व संगीत महोत्सव का होगा भव्य आयोजन– सुशील मिश्रा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। सोन संगीत फाउंडेशन के तत्वावधान में 10 जनवरी शनिवार की शाम 6 बजे विवेकानंद प्रेक्षागृह में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन व संगीत महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया है। संस्था के अध्यक्ष सुशील मिश्रा ने बताया कि ओज के शिखर, अन्तर्राष्ट्रीय वरिष्ठ कवि कमलेश मिश्र राजहंस जिनका सारस्वत नागरिक अभिनन्दन होगा। इसके अलावा कई नामचीन हस्तियों का सम्मान किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि आजमगढ़ से शायर अहमद आजमी, प्रयागराज से शारिक मखदूम फूलपुरी, भदोही से संदीपकुमार बालाजी के अलावा जनपद की श्रेष्ठ कवयित्री कौशल्या कुमारी चौहान, गीतकार ईश्वर विरागी, प्रदुम्न त्रिपाठी, अशोक तिवारी धर्मेश चौहान, विवेक चतुर्वेदी, चौचक, दयानंद दयालू, दिलीप सिंह दीपक, जयराम सोनी, प्रभात सिंह चंदेल चंदौली से शिवदास कवि समेत अन्य कविगण काव्य पाठ करेंगे। वहीं सरस संगीत का आयोजन कवि सम्मेलन के बाद रात्रि 8 बजे से 11 बजे रात्रि तक होगा, जिसमें नामचीन गायकों, वादकों की उपस्थिति रहेगी। पूर्वांचल के माने जाने भोजपुरी गायक चंदन सिंह मधुर, बिहार से लोक गायिका रेशमी शर्मा अपने म्यूजिक ग्रुप संतोष मौर्या समेत पदार्पण कर रहे हैं।

खाद्यान्न निःशुल्क वितरण 08 से 28 जनवरी तक रहेगा जारी–जिला पूर्ति अधिकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिला पूर्ति अधिकारी ध्रुव गुप्ता ने अवगत कराया है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम–2013 योजनान्तर्गत माह जनवरी 2026 के सापेक्ष आवंटित खाद्यान्न (गेहूं व चावल) निःशुल्क वितरण 08 जनवरी से 28 जनवरी,2026 तक जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि अन्त्योदय कार्डधारक को प्रति अन्त्योदय कार्ड 35 किग्रा0 खाद्यान्न (14 किग्रा0 गेहूं व 21 किग्रा0 फोर्टिफाइड चावल) की दर से निःशुल्क तथा पात्र गृहस्थी कार्डधारक प्रति यूनिट 05 किग्रा0 खाद्यान्न (02 किग्रा0 गेहूं व 03 किग्रा0 फोर्टिफाइड चावल) की दर से निःशुल्क वितरण किया जाना है। उन्होंने बताया कि कुछ ऐसे कार्डधारक जिनका अंगूठा किसी कारण से बायोमेट्रिक नहीं हो पा रहा है वे मोबाइल ओ0टी0पी0 वेरीफिकेशन के माध्यम से खाद्यान्न प्राप्त करने की सुविधा वितरण की अन्तिम तिथि 28 जनवरी,2026 को उपलब्ध रहेगी। ऐसे कार्डधारक जिनका अंगूठा रीड/बायोमेट्रिक नहीं हो पा रहा है, वे वितरण की अन्तिम तिथि पर ओ0टी0पी0 वेरीफिकेशन की सुविधा का लाभ उठाते हुए खाद्यान्न प्राप्त कर सकते है। जनपद के कार्डधारको से यह भी अनुरोध है कि वर्तमान में जनपद में प्रचलित राशनकार्डो में सम्मिलित यूनिट/सदस्यों का ई–केवाईसी0 कराया जा रहा है। जिन कार्डधारको/सदस्यों का ई–केवाईसी होना अवशेष है। ऐसे कार्डधारक/सदस्य उचित दर दुकान पर उपस्थित होकर ई–केवाईसी कराना सुनिश्चित करें, जिससे कि खाद्यान्न से लाभान्वित हो सकें।

मतदाताओं से अपील, कार्यालय अवधि में बूथों पर मतदात सूची का कर सकेंगें अवलोकन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। उप जिला निर्वाचन अधिकारी वागीश कुमार शुक्ला ने अवगत कराया है कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 01 नवम्बर, 2025 की अर्हता तिथि के आधार पर वाराणसी खण्ड स्नातक/शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावली निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम 1960 के अनुसार तैयार हो गयी है। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 06 जनवरी, 2026 को कर दिया गया है, जो सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी, कार्यालय एवं उप जिलाधिकारी/पदनामित सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय पर जन सामान्य के अवलोकनार्थ निःशुल्क उपलब्ध रहेगी। उन्होंने जनपद के समस्त मतदाताओं से अपील है कि वे कार्यालय अवधि में उपरोक्तानुसार विहित स्थलों पर उपस्थिल होकर मतदात सूची का अवलोकन कर सकते हैं।

सोनभद्र बार एसोसिएशन : सभी पर्चे वैध, किसी प्रत्याशी ने नहीं लिया पर्चा वापस

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। सोनभद्र बार एसोसिएशन सोनभद्र के निर्वाचन सत्र 2026–27 के लिए बुधवार को पर्चो की जांच हुई, जिसमें सभी पर्चे वैध पाए गए, किसी भी प्रत्याशी ने अपना पर्चा वापस नहीं लिया। सकुशल चुनाव संपन्न कराने के लिए मुख्य चुनाव अधिकारी सुरेश सिंह एडवोकेट ने 18 अधिवक्ताओं को सहायक चुनाव अधिकारी नियुक्त किया है। सिर्फ चार पदों अध्यक्ष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, महामंत्री व कोषाध्यक्ष पद पर मुकाबला होगा। जिसके लिए 15 प्रत्याशी अपना भाग्य आजमा रहे हैं। इसके लिए 13 जनवरी को मतदान होगा और 14 जनवरी को मतगणना के साथ ही विजयी पदाधिकारियों की घोषणा की जाएगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि चुनाव को सकुशल संपन्न कराने के लिए 18 अधिवक्ताओं को सहायक चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया है, जिसमें विजय प्रकाश पांडेय, रणाछोर प्रसाद पांडेय, कुशकान्त, रविंद्र नाथ पाठक, विनोद कुमार शुक्ला, विमल प्रकाश शुक्ला, अनिरुद्ध सोनी, आनंद ओझा, प्रदीप कुमार सिंह, अभिषेक श्रीवास्तव, आशीष कुमार पाठक, बृजकिशोर सिंह, अनूप कुमार पांडेय, अवधेश कुमार मिश्र, अंकित सिंह गौतम, अनिल कुमार पांडेय, संदीप कुमार पांडेय व संजय पांडेय एडवोकेट शामिल हैं। उन्होंने यह भी बताया कि अध्यक्ष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, महामंत्री व कोषाध्यक्ष पद के लिए कुल 15 प्रत्याशी अपना भाग्य आजमा रहे हैं। इन्हीं पदों के लिए मतदान कराया जाएगा। जिसमें अध्यक्ष पद के लिए 6 प्रत्याशी अशोक प्रसाद श्रीवास्तव, उमेश कुमार मिश्रा, हेमनाथ द्विवेदी, रमेश प्रसाद चौबे, लालता प्रसाद पांडेय व शेषनारायण दीक्षित एडवोकेट शामिल हैं। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए दो प्रत्याशी अजय कुमार द्विवेदी व गोविंद प्रसाद मिश्र, महामंत्री पद के लिए चार प्रत्याशी अरुण कुमार सिंघल, प्रभात कुमार मिश्रा, योगेश कुमार द्विवेदी व सुरेश कुमार पाठक एडवोकेट व कोषाध्यक्ष पद के लिए तीन प्रत्याशियों प्रदीप कुमार सिंह पटेल, वंशीधर पांडेय व सुधी नारायण देव पांडेय एडवोकेट शामिल हैं। उन्होंने यह भी बताया कि 13 जनवरी को मतदान कराया जाएगा, वहीं 14 जनवरी को मतगणना के साथ ही विजयी पदाधिकारियों की घोषणा की जाएगी।

समस्त थानों द्वारा चलाया गया व्यापक साइबर जागरूकता अभियान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। साइबर अपराधों की रोकथाम तथा आमजन को डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में बुधवार को जनपद के समस्त थानों द्वारा साइबर जागरूकता अभियान संचालित किया गया। इस अभियान के अंतर्गत थाना क्षेत्रों में विद्यालयों, महाविद्यालयों, बाजारों, ग्राम सभाओं एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर आमजन को साइबर अपराधों 'जैसे.ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल, ओटीपी साझा करने, फर्जी लिंक, सोशल मीडिया ठगी, एटीएम/बैंकिंग धोखाधड़ी आदि' के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। पुलिस कर्मियों द्वारा लोगों को बताया गया कि किसी भी अज्ञात कॉल, मैसेज या लिंक पर भरोसा न करें, अपनी व्यक्तिगत व बैंकिंग जानकारी किसी के साथ साझा न करें तथा साइबर अपराध की स्थिति में तत्काल 1930 साइबर हेल्पलाइन अथवा नजदीकी पुलिस थाना/साइबर क्राइम पुलिस थाना से संपर्क करें। अभियान के दौरान आमजन को साइबर सुरक्षा से संबंधित पंपलेट वितरित किए गए एवं डिजिटल सतर्कता अपनाने हेतु प्रेरित किया गया। इस अवसर पर थाना प्रभारीगण सहित संबंधित पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। जनपद पुलिस द्वारा साइबर अपराधों के प्रति जन–जागरूकता बढ़ाने हेतु इस प्रकार के अभियान निरंतर जारी रहेंगे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक:- श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट-हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं मकान नं. 203 निकट बी.एस.एन.एल. टावर खलवा मोहल्ला, नगर पालिका परिषद बलरामपुर, जनपद- बलरामपुर, उ0प्र0-271201 से प्रकाशित । आर.एन.आई. नं0- UPHIN/2021/86502 । सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद-सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

राहु केतु का ट्रेलर रिलीज, बड़े पर्दे पर अब मचेगा कॉस्मिक कॉमेडी का बवाल

जी स्टूडियोज और ब्लाइव प्रोडक्शन्स के बैनर तले बनी फिल्म राहु केतु का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर रिलीज हो चुका है और आते ही इसने साफ कर दिया है कि दर्शकों को मिलने वाला है एक ऐसा पागलपन भरा सफर, जहां पौराणिक कथाएं टकराएंगी आज के हंगामे से और हंसी के पीछे छुपा होगा एक बड़ा कॉस्मिक मैसेज। चुटीले ह्यूमर, शार्प राइटिंग और दमदार परफॉर्मेंस से भरा यह ट्रेलर एक ऐसी फिल्म का वादा करता है, जो जितनी एंटरटेनिंग है, उतनी ही सोचने पर मजबूर करने वाली भी। ट्रेलर की शुरुआत होती है पियूष मिश्रा की प्रभावशाली आवाज से, जो अपनी खास कहानी कहने की शैली में राहु और केतु के पौराणिक महत्व से दर्शकों को रूबरू कराते हैं। उनकी आवाज लोककथाओं की जड़ों में कहानी को मजबूती से बांधती है और एक ऐसी दुनिया की नींव रखती है, जहां प्राचीन मान्यताएं टकराती हैं आज के मॉडर्न कन्फ्यूजन से। फिल्म की कमान संभालते हैं पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा, जिनकी कॉमिक टाइमिंग और आपसी केमिस्ट्री ट्रेलर में ही दिल जीत लेती है। पुलकित अपने किरदार में चार्म, चालाकी और अनिश्चितता लेकर आते हैं, जो शॉर्टकट और महत्वाकांक्षा से चलने वाला है। वहीं वरुण शर्मा एक बार फिर साबित करते हैं कि सिचुएशनल कॉमेडी उनका मजबूत हथियार है, जहां उनका फिजिकल ह्यूमर और ऑब्जर्वेशनल कॉमिक सेंस खूब रंग जमाता है। फिल्म की थीम पर बात करते हुए पुलकित सम्राट कहते हैं, फैंटेसी की दुनिया हमेशा से मुझे आकर्षित करती रही है। राहु केतु में जो बात मुझे सबसे ज्यादा एक्साइटिंग लगी, वो था इस रंगीन और अराजक यूनिवर्स का हिस्सा बनना, जो पूरी तरह कॉमेडी से जुड़ा है।

पौराणिक विचारों को मजेदार और आसान अंदाज में, खासकर बच्चों के लिए, जिंदा होते देखना और उस सफर का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खुशी की बात रही। वहीं वरुण शर्मा जोड़ते हैं, राहु केतु का ह्यूमर पूरी तरह सिचुएशंस और इंसानी कमजोरियों से निकला है। हम सिर्फ लोगों को हंसा नहीं रहे, बल्कि एक आईना दिखा रहे हैं, बस थोड़ा सा पागलपन, ढेर सारी मस्ती और अराजकता के साथ। शालिनी पांडे ट्रेलर में एक मजबूत और आत्मविश्वासी अवतार में नजर आती हैं। उनका किरदार कहानी को भावनात्मक गहराई देता है और फिल्म की नैतिक रीढ़ को मजबूती से थामे रखता है, जिससे स्क्रीन पर चल रहे पूरे हंगामे को एक ठोस दिशा मिलती है। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए शालिनी पांडे कहती हैं, राहु केतु मेरे करियर के सबसे मजेदार सफरों में से एक रहा है। विपुल विग का विजन बहुत स्पष्ट है, लेकिन वह अपने कलाकारों को अपनी सहज प्रवृत्ति लाने की पूरी आजादी देते हैं, जिससे काम करने का अनुभव बेहद खास बन जाता है। अपने को–एक्टर्स के साथ काम करना शानदार रहा और जी स्टूडियोज व ब्लाइव प्रोडक्शन्स ने जिस भरोसे और जुनून के साथ फिल्म को सपोर्ट किया है, वह स्क्रीन पर साफ झलकता है। मैं दर्शकों के रिएक्शन का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं। सपोर्टिंग कास्ट भी ट्रेलर की जान है। चंकी पांडे अपनी बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग के साथ एक और यादगार परफॉर्मेंस देते हैं, वहीं अमित सियल अपनी संयमित और गहरी अदायगी से फिल्म के हाई एनर्जी पागलपन को जमीन पर टिकाए रखते हैं। राहु केतु को सबसे अलग बनाता है खुद राहु और केतु का पौराणिक रूप में आगमन, जो कहानी को एक बड़े दार्शनिक स्तर पर ले जाता है। उनकी मौजूदगी फिल्म के मूल संदेश को मजबूती देती हैकृजैसा करोगे, वैसा भरोगेकृऔर यह सब हंसी, अफरातफरी और कॉस्मिक असर के साथ बेहद सहज तरीके से पिरोया गया है। पौराणिकता, कॉमेडी और सामाजिक सोच का यह अनोखा मेल राहु केतु को एक ऐसी सिनेमाई पेशकश बनाता है, जो दिमाग को भी छूती है और दिल को भी हंसाती है। यह फिल्म 16 जनवरी 2026 को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

मुंबई के प्रदूषण से हिना खान की सेहत पर पड़ा बुरा असर, सांस लेने में हो रही तकलीफ

भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई हमेशा अपने तेज रफ्तार जीवन और चमक–दमक के लिए जानी जाती है। हाल के वर्षों में मुंबई में हवा की गुणवत्ता लगातार गिरती जा रही है और लोगों के लिए दिन–प्रतिदिन की जिंदगी मुश्किल बनती जा रही है। प्रदूषण ने ना सिर्फ आम लोगों की सेहत पर असर डाला है, बल्कि सेलिब्रिटी भी इससे अछूते नहीं हैं। टीवी की लोकप्रिय अभिनेत्री हिना खान ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बताया कि वह बढ़ते प्रदूषण की समस्या से परेशान हैं और इससे उनके स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ रहा है। हिना खान ने कहा, मुंबई की बिगड़ती हवा के कारण मुझे सांस लेने में मुश्किल हो रही है। प्रदूषण की वजह से लगातार खांसी है और यह सेहत पर बुरा असर डाल रहा है। ब्रेस्ट कैंसर से जूझने के कारण यह मेरे लिए और भी चुनौतीपूर्ण है। हिना खान ने कहा, प्रदूषित हवा की वजह से मेरा बाहर निकलना और शारीरिक तौर पर कोई काम करना भी सीमित हो गया है। यह मेरे दैनिक जीवन की सामान्य गतिविधियों पर भी असर डाल रहा है।

अपने अनुभव को और स्पष्ट करने के लिए हिना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर मुंबई के एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) का स्क्रीनशॉट साझा किया। इस स्क्रीनशॉट में शहर का एक्यूआई 209 दर्ज किया गया, जो बताता है कि हवा की गुणवत्ता खराब स्तर पर है।

हिना ने कैप्शन में लिखा, क्या हो रहा है? सांस नहीं ले पा रही हूं। बाहर जाना कम कर दिया है। लगातार खांसी हो रही है। सुबह से ही हालत बहुत खराब है।

इससे पहले हिना खान ने अभिनेत्री सोहा अली खान के पॉडकास्ट ऑल अबाउट हर में अपने कैंसर से जूझने की चुनौतीपूर्ण यात्रा के बारे में भी खुलकर बात की थी। उन्होंने बताया कि उनका इलाज कठिन रहा और इस दौरान उन्हें अच्छे और बुरे दोनों दिन देखने को मिले।

हिना ने कहा कि उन्होंने हर तीन हफ्ते में कीमोथेरेपी ली, और कीमो के पहले हफ्ते में उन्हें बहुत दर्द होता था। लेकिन बाकी के दो हफ्ते, वह सामान्य जीवन जीने की कोशिश करती थीं और अपने परिवार और प्रियजनों के साथ वक्त बिताती थीं।

हिना ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, देखने का नजरिया बहुत महत्वपूर्ण है। लोग जैसे ही किसी गंभीर बीमारी का पता लगाते हैं, सोचते हैं कि उनकी जिंदगी खत्म हो गई। मैं भी पहले ऐसा ही सोचती थी। लेकिन अनुभव करने के बाद मैंने समझा कि जीवन में बुरे और दर्दनाक दिन जरूर होते हैं, लेकिन अच्छे दिन भी आते हैं, जब आप अपने परिवार और प्यार के बीच सामान्य जीवन जीते हैं। यह संतुलन ही जीवन की खूबसूरती है।

फेफड़ों को जहरीली हवा से कैसे बचाएं, 60 सेकेंड का ये 'Power Breath' Routine देगा Immunity Boost

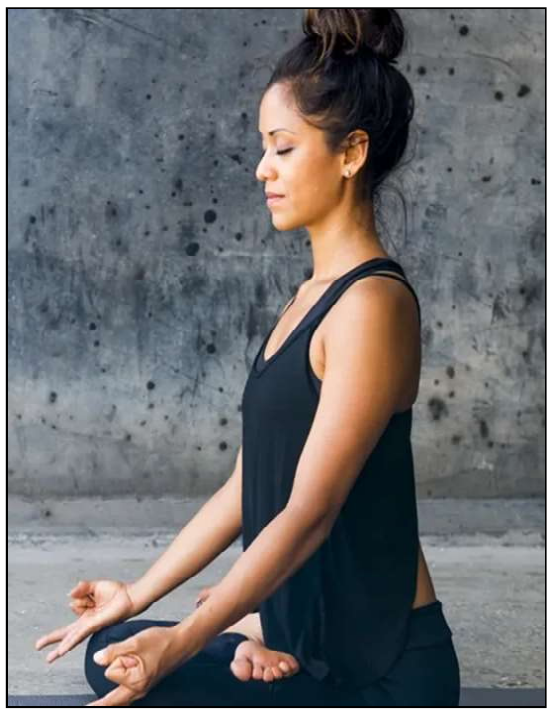

अगर आप भी रोजाना जहरीली हवा में सांस लेने के लिए मजबूर हैं। बाहर निकलते ही धूल, धुएं और जहरीले कणों से बच पाना मुश्किल है। ऐसे में फेफड़ों पर इसका सीधा असर पड़ता है। जिससे सांस लेने में दिक्कत, एलर्जी, थकान और कमजोर इम्यूनिटी जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। ऐसे में आपको घबराने की जरूरत नहीं है। भले ही हवा को पूरी तरह से आप साफ न कर सकें, लेकिन अपने शरीर को अंदर से मजबूत बना सकते हैं। रोजाना 60 सेकेंड का आसान और असरदार ब्रीदवर्क रूटीन फॉलो करके फेफड़ों को की क्षमता को बढ़ा सकती हैं। साथ ही पॉल्यूशन से होने वाले नुकसान से भी बचा सकती हैं। यह रूटीन न तो अधिक समय लेता है और न ही इसको करने के लिए किसी खास उपकरण की आवश्यकता होती है। ऐसे में आप ब्रीद वर्क रूटीन से अपने फेफड़ों को मजबूत बना सकते हैं। इस एक्सरसाइज को करने से फेफड़े मजबूत होते हैं और शरीर का इम्यून सिस्टम सही रहता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि ब्रीद वर्क रूटीन कैसे करें और इसके क्या फायदे होते हैं। एयर पॉल्यूशन में फेफड़ों को ऐसे बनाएं मजबूत– आप बाहरी माहौल को नहीं बदल सकते हैं, लेकिन शरीर को अंदरूनी मजबूत बनाना बेहद जरूरी है। जब हमारे शरीर का इम्यून सिस्टम मजबूत होता है, तो बाहरी परेशानियों जैसे पॉल्यूशन का असर खुद ब खुद कम होने लगता है। योग विज्ञान में सांस को सिर्फ हवा नहीं बल्कि जीवित ऊर्जा माना गया है। वहीं प्रणायाम सांस को कंट्रोल करने की पुरानी तकनीक है। इससे फेफड़ों की क्षमता बढ़ती है और सांस लेने की ताकत भी मजबूत होती है। आज के समय में अधिकतर लोग सांस लेते हैं, जिस कारण फेफड़ों का पूरा इस्तेमाल नहीं हो पाता है। वहीं बढ़ते पॉल्यूशन में यह आदत ज्यादा नुकसानदायक होती है। नाड़ी शोधन और कपालभाति जैसे रेगुलर ब्रीदिंग एक्सरसाइज करने से ऑक्सीजन के आदान–प्रदान को अच्छा बनाने, फेफड़ों को फैलाने और श्वसन तंत्र में जमी गंदगी को साफ करने में मदद मिलती है। जानिए क्या है 60 सेकेंड का ब्रीद वर्क रूटीन– हमारे शरीर और मन के बीच सांस सबसे मजबूत कड़ी है। सुबह के समय 60 सेकेंड का अभ्यास करना सबसे अच्छा होता है। इसमें भस्त्रिका प्राणायाम किया जाता है। इस दौरान गहरी सांस ना, थोड़ी देर सांस रोकना और फिर आराम से सांस छोड़ना शामिल है। ऐसे करें 60 सेकेंड का ब्रीद वर्क– इस एक्सरसाइज को करने के लिए रीढ़ को सीधा करके बैठ जाएं। फिर अपना पूरा ध्यान सांसों पर लगाएं और जितना हो सके, गहरी सांस लें। अब कुछ सेकेंड के लिए सांस रोकें। फिर ध्यान के साथ सांस छोड़ें। जोर लगाकर नहीं बल्कि अनुशासन के साथ करें। आप चाहें तो इसको 2–3 बार दोहरा सकते हैं। फेफड़ों को रखता है हेल्दी जब आप गहरी सांस लेते हैं, तो फेफड़ों के ऐसे हिस्से भी सक्रिय होते हैं, जो निष्क्रय रहते हैं। सांस रोकने से बॉडी में ऑक्सीजन को अच्छे से सोखने की क्षमता बढ़ती है। सांस छोड़ने से फेफड़ों में जो कचरा जमा होता है, वह बाहर निकलता है। धीरे–धीरे फेफड़े अधिक मजबूत और पॉल्यूशन के प्रति सहनशील बनते हैं। 60 सेकेंड ब्रीद वर्क के फायदे इसको करने से तनाव कम होता है और दिमाग को तेज करता है। यह इम्यून सिस्टम को सपोर्ट करता है और आपको अंदरूनी मजबूती देता है। यह नर्वस सिस्टम को भी संतुलित करता है।

रुक्मिणी वसंत का भव्य अनावरण, यश की फिल्म टॉक्सिक: ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन–अप्स में मेलिसा के रूप में

यश की टॉक्सिकरू ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन–अप्स हर नए खुलासे के साथ और भी गहरी, डार्क और बेबाक होती जा रही है। यह फिल्म अब एक ऐसी सिनेमाई दुनिया गढ़ रही है, जो हर मोड़ पर चौंकाती है। इसी रोमांचक सफर में मेकर्स ने एक बड़ा पत्ता खोला हैकृरुक्मिणी वसंत की एंट्री, जो श्मेलिसाच्च के किरदार में नजर आएंगी। शालीन, प्रभावशाली और बिल्कुल न झुकने वाली मेलिसा के रूप में रुक्मिणी की मौजूदगी फिल्म के इंटेंस ड्रामा को एक नया आयाम देती है। यह फिल्म रुक्मिणी वसंत और यश के बीच पहली दमदार साझेदारी को भी चिन्हित करती है, वो भी निर्देशक गीतू मोहनदास की खास सिनेमाई दृष्टि के साथ। अपनी समझदार परफॉर्मेंस और भावनात्मक गहराई के लिए जानी जाने वाली रुक्मिणी की एंट्री इस बात का संकेत है कि दर्शकों को एक ऐसी अदाकारी देखने को मिलेगी, जो गीतू की परतदार और माहौल रचने वाली कहानी कहने की शैली में पूरी तरह घुली–मिली होगी। वहीं यश का सपना भी साफ झलकता हैकृएक ऐसी भारतीय फिल्म बनाना, जो स्केल में ग्लोबल हो और भावनाओं में हर किसी से जुड़ जाए। नादिया के रूप में कियारा आडवाणी, एलिजाबेथ के रूप में हुमा कुरैशी, गंगा के रूप में नयनतारा और रेबेका के रूप में तारा सुतारिया के दमदार फर्स्ट लुक्स के बाद, अब टॉक्सिक की रहस्यमयी दुनिया में मेलिसा की एंट्री होती है। 1960 के दशक के आखिरी दौर की एक रंगीन लेकिन धुंधली पार्टी की पृष्ठभूमि में मेलिसा खुद को पूरे आत्मविश्वास के साथ पेश करती हैं। चारों ओर जश्न, शोर और हलचल है, लेकिन उनकी नजरें एकदम सटीक और दृढ़ हैं। जहां बाकी दुनिया बहती हुई सी लगती है, वहीं मेलिसा हर कदम सोच–समझकर रखती हैं, ऐसे अंदाज में कि पूरी महफिल पर उनका ही असर छा जाता है। हर नए खुलासे के साथ फिल्म और भी धारदार होती जा रही है। इसका भावनात्मक दायरा फैल रहा है, सिनेमाई पैमाना और बड़ा हो रहा है और टॉक्सिक खुद को 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित भारतीय फिल्मों में मजबूती से स्थापित कर रही है। निर्देशक गीतू मोहनदास कहती हैं, रुक्मिणी में मुझे सबसे ज्यादा जो चीज पसंद है, वो है एक कलाकार के तौर पर उनकी बुद्धिमत्ता। वो सिर्फ अभिनय नहीं करतीं, वो किरदार को समझती हैं, उसे प्रोसेस करती हैं। उनके सवाल शक से नहीं, जिज्ञासा से आते हैं और यही बात मुझे भी एक निर्देशक के तौर पर और गहराई से सोचने पर मजबूर करती है। कई बार तो अपने ही फैसलों पर दोबारा विचार करने लगती हूं। उन्हें काम करते देख मुझे एहसास होता है कि स्क्रीन पर इंटेलिजेंस अक्सर वहां होती है, जो कहा नहीं जाता। शूट के बीच–बीच में मैं उन्हें चुपचाप अपनी डायरी में कुछ लिखते देखती हूंकृसेट से जुड़े छोटे किस्से, अपने विचार। ये छोटे पल उनके प्रोसेस के बारे में बहुत कुछ कह जाते हैं। वो लगातार अपनी एक अंदरूनी दुनिया बना रही होती हैं। उनका यह अप्रोच मुझे बेहद सोच–समझ से भरा लगता है और सच कहूं तो कई बार मन करता है कि उनकी डायरी के पन्ने चुपके से पढ़ लूं, ताकि उस दिमाग को समझ सकूं, जो इतनी परतदार परफॉर्मेंस के पीछे है। यश और गीतू मोहनदास द्वारा लिखी गई और गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनी टॉक्सिकरू ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन–अप्स को कन्नड़ और अंग्रेजी में एक साथ फिल्माया गया है। इसके साथ ही हिंदी, तेलुगु, तमिल, मलयालम और कई अन्य भाषाओं में डब वजर्न की योजना है, जो इसके ग्लोबल विजन को साफ दर्शाता है। फिल्म की तकनीकी टीम भी उतनी ही दमदार हैकृनेशनल अवॉर्ड विजेता राजीव रवि सिनेमैटोग्राफी संभाल रहे हैं, संगीत में रवि बस्रूर का जादू होगा, एडिटिंग की कमान उज्ज्वल कुलकर्णी के हाथ में है और प्रोडक्शन डिजाइन टीपी आबिद ने किया है। हाई–ऑक्टेन एक्शन को हॉलीवुड के मशहूर एक्शन डायरेक्टर जेजे पेरी, जिन्हें जॉन विक के लिए जाना जाता है, के साथ नेशनल अवॉर्ड विजेता जोड़ी अंबरिव और केचा खाम्फाकडी ने कोरियोग्राफ किया है। वेनकट के. नारायण और यश द्वारा केवीएन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के बैनर तले बनी टॉक्सिक की भव्य थिएट्रिकल रिलीज 19 मार्च 2026 को तय है। यह लंबा फेस्टिव वीकेंड होगा, जब ईद, उगादी और गुड़ी पड़वा एक साथ आएंगेकृऔर टॉक्सिक बड़े पर्दे पर जश्न को और भी बड़ा बनाने के लिए पूरी तरह तैयार होगी।